शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 208 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 28 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

युवाओं को आत्मनिर्भर भारत लक्ष्य के प्रति समर्पित होना चाहिए : ओम बिरला पेज 2
असम को समृद्धि की ओर ले जाएगा एडवांटेज असम 2.0 समिट : दिलीप सैकिया पेज 3
एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 12वें क्षेत्रीय 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी... पेज 5
जोस बटलर की कप्तानी पर संकट : इंग्लैंड की चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के ... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

रचनात्मकता भविष्य में सफलता की कुंजी है और प्राथमिक शिक्षा के दौरान ही शिक्षक बच्चों की रचनात्मकता को उभार सकते हैं।
– अब्दुल कलाम

एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन

राज्य को लगभग पांच लाख करोड़ रुपए का निवेश मिला

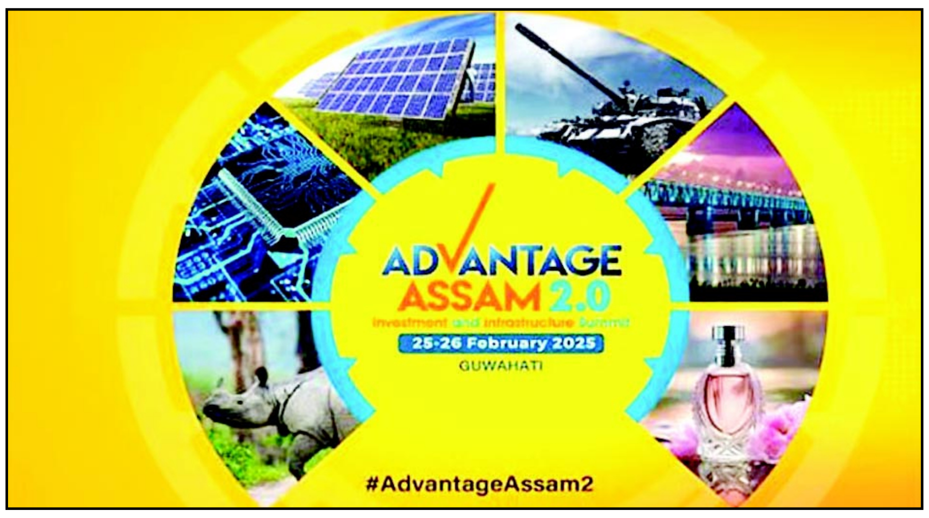

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के अनुसार, एडवांटेज असम 2.0 निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर शिखर सम्मेलन 2025 रिलायंस, अडानी, वेदांता और टाटा समूह जैसे प्रमुख समूहों द्वारा घोषित कुल 4.91 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रतिबद्धताओं के साथ संपन्न हुआ। मुख्य सचिव रवि कोटा ने पुष्टि की कि राज्य सरकार ने विभिन्न कंपनियों के साथ 2.75 लाख करोड़ रुपए के 270 समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जो असम के औद्योगिक विकास में एक प्रमुख मील का पत्थर है। शिखर सम्मेलन में निवेश प्रस्तावों में भारी उछाल देखा गया, जिसमें राज्य सरकार को 6-7 लाख करोड़ रुपए के प्रस्ताव प्राप्त हुए। हालांकि, शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि अगले तीन से चार वर्षों के लिए केवल कार्रवाई योग्य निवेशों को ही उचित जांच के बाद मंजूरी दी गई। उन्होंने इस आयोजन को असम के लिए एक *निर्णायक क्षण* करार दिया, जिसमें निवेश निर्णयों में मात्रा से अधिक गुणवत्ता पर राज्य के फोकस को रेखांकित किया गया। हाइड्रोकार्बन, खनन और नई ऊर्जा क्षेत्रों ने सबसे ज्यादा निवेश आकर्षित किया, उसके बाद कृषि और बागवानी का स्थान रहा। असम, जो ऐतिहासिक रूप से एक आश्रित राज्य रहा है, अब अपने समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों और औद्योगिक क्षमता का लाभ उठाते हुए एक योगदानकर्ता अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। असम के आर्थिक परिवर्तन पर प्रकाश डालते हुए शर्मा ने बताया कि स्वतंत्रता से पहले राज्य की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से 4 प्रतिशत अधिक थी। हालांकि, विभाजन ने व्यापार संबंधों को बाधित कर दिया, जिससे माल की यात्रा का समय आठ घंटे से बढ़कर 48 घंटे हो गया। इसके बाद के दशकों में आंदोलन और उग्रवाद ने प्रगति को और धीमा कर दिया। शर्मा ने कहा कि 2014 में एक महत्वपूर्ण मोड़ आया, जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत आर्थिक और बुनियादी ढांचा नीतियों ने असम के विकास को नई गति प्रदान की। नतीजतन, असम ने 2023 में 19 प्रतिशत की प्रभावशाली विकास दर दर्ज की, जबकि अपराध दर में 66 प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे एक स्थिर और व्यापार-अनुकूल वातावरण बना। टाटा की सेमीकंडक्टर इकाई और एनआरएल की बायो-रिफाइनरी सुविधा राज्य के औद्योगिक विस्तार को गति -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने वित्तीय सहायता पर चर्चा के लिए विश्व बैंक के अधिकारी से मुलाकात की

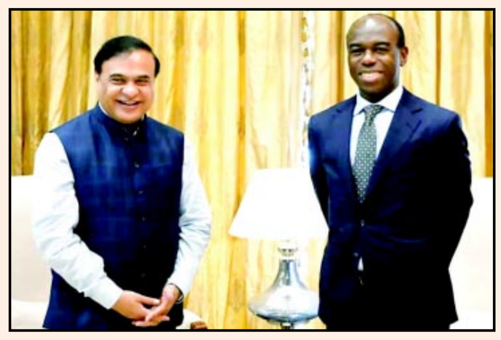

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पूर्वोत्तर राज्य में बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं के लिए संभावित वित्तीय सहायता का पता लगाने के लिए गुरुवार 27 फरवरी को विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर ऑगस्टे तानो कौमेओन से मुलाकात की। उच्च स्तरीय बैठक में प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक पार्क बुनियादी ढांचे की स्थापना और विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। मुख्यमंत्री शर्मा ने चर्चा के दौरान कृषि और संबद्ध क्षेत्रों को प्राथमिकता देने पर भी जोर दिया। वार्ता के बाद शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि भारत में विश्व बैंक के कंट्री डायरेक्टर डॉ. ऑगस्टे तानो कौमे के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। कौमे हाल ही में संपन्न एडवांटेज असम 2.0 निवेश और -शेष पृष्ठ दो पर

औद्योगिक माहौल को सुदृढ़ कर उद्योगों को प्रोत्साहित करना लक्ष्य : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम में औद्योगिक माहौल को सुदृढ़ कर स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहित करना तथा किसानों को उचित मूल्य दिलाने में सहायक भूमिका निभाना सरकार का लक्ष्य है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसका लाभ टिंगखांग के लोगों को भी मिल रहा है। 774 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित पेप्सिको के लिए कच्चे माल का उत्पादन टिंगखांग में -शेष पृष्ठ दो पर

आजादी के बाद असम का बार-बार विभाजन हुआ : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के ऐतिहासिक संघर्षों का उल्लेख करते हुए आर्थिक विकास की दिशा में सकारात्मक संकेत दिए हैं। उन्होंने मीडिया से आज बात करते हुए कहा कि असम को गंभीर विरासत संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। विभाजन का प्रभाव असम पर पड़ा, राज्य पांच बार विभाजित हुआ और राजधानी भी खोनी पड़ी। 2014 के बाद ही केंद्र सरकार ने असम को मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष प्रयास किए। पत्रकारों से बातचीत के -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

5.0 तीव्रता वाले भूकंप से हिला असम

गुवाहाटी। असम में आज तड़के भूकंप ने सबको हिला दिया। असम की राजधानी गुवाहाटी समेत असम के कई इलाकों में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। फिलहाल, इस भूकंप से किसी नुकसान की कोई खबर नहीं है। दरअसल, राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, गुरुवार तड़के असम के मोरिगांव जिले में रिक्टर पैमाने पर पांच -शेष पृष्ठ दो पर

वक्फ पर जेपीसी के सुझाए बदलावों को कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वक्फ संशोधन विधेयक में हाल ही में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) द्वारा सुझाए गए बदलावों को मंजूरी प्रदान कर दी है। सूत्रों ने बताया कि इसके बाद यह विधेयक संसद के बजट सत्र के दूसरे भाग में चर्चा और पारित करने के लिए पेश किया जाएगा। इसमें अधिकांश बदलावों को शामिल किया है, जिसकी सिफारिश भाजपा सांसद -शेष पृष्ठ दो पर

246 हथियार, जूते-हेलमेट ...

राज्यपाल की सख्ती के बाद मैतेई ग्रुप ने लूटा हुआ सामान लौटाया

इंफाल। मणिपुर में एक मैतेई समूह *अरामबाई टेंगोल* के सदस्यों ने गुरुवार को राज्य सरकार को अपने हथियार सौंप दिए। यह कदम राज्य के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला द्वारा मणिपुर में लंबे समय से चली आ रही जातीय हिंसा को समाप्त करने के प्रयासों के तहत सात दिनों के भीतर सभी समुदायों को स्वेच्छा से लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियार और गोला-बारूद को आत्मसमर्पण करने के लिए कहने के कुछ दिनों बाद आया है। सोशल मीडिया पर सामने आए दृश्यों में मैतेई समूह के सदस्यों को पिकअप ट्रकों के बेड़े में हथियार और गोला-बारूद ले जाते हुए दिखाया गया है। -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने भूटान के मंत्री के साथ दोनों देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने की चर्चा की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को विभिन्न क्षेत्रों में असम और भूटान के बीच सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए भूटान के कृषि और पशुधन मंत्री यूनटेन फुंटशो की मेजबानी की। शर्मा ने एक्स पर बताया कि भूटान के माननीय कृषि और पशुधन मंत्री, महामहिम यूंटेन फुंटशो की मेज़बानी करना खुशी की बात थी। हमने कृषि, व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और बिजली जैसे साझा विकास क्षेत्रों में असम और भूटान के बीच सहयोग को मजबूत करने पर गहन चर्चा की। फुंटशो ने एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुवाहाटी का दौरा किया, जो बुधवार को संपन्न हुआ। अपनी चर्चा के दौरान नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को गहरा करने तथा आर्थिक और सामाजिक प्रगति, विशेषकर कृषि, पशुधन, व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और बिजली के क्षेत्र में नए अवसरों की पहचान करने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री से मुलाकात के अलावा फुंटशो ने असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से भी चर्चा की। वार्ता में कृषि, पारिस्थितिकी पर्यटन, शिक्षा और व्यापार में सहयोग को बढ़ावा देने तथा सतत विकास पहलों और निवेश अवसरों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदी ने कई भाषाओं को निगला...

स्टालिन के बयान पर भाजपा ने बोला हमला

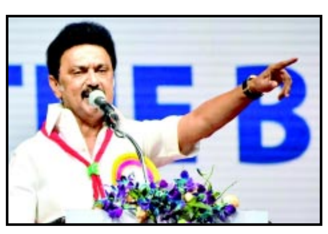

नई दिल्ली। दक्षिण में भाषा पर सियासत दिन पर दिन तीखी होती जा रही है। हिंदी और तमिल का विवाद राज्य की सीमाएं लांघ रहा है। सीएम स्टालिन हिंदी पर भारतीय भाषाओं को निगलने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने एक पोस्ट में हिंदी को कठघरे में खड़ा करते हुए देश के लोगों से सवाल किया। इस पर देश के रेल मंत्री ने करारा जवाब दिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के जवाब से पहले आइए जान लेते हैं स्टालिन ने हिंदी को लेकर क्या-क्या कहा है। स्टालिन कहते हैं, अन्य राज्यों के मेरे प्यारे बहनों और भाइयों, कभी सोचा है कि हिंदी ने कितनी भारतीय भाषाओं को निगल लिया है? भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, -शेष पृष्ठ दो पर

एनएसए चीफ अजीत डोभाल को पन्नू की हत्या की साजिश मामले में समन जारी

वाशिंगटन। सिख कार्यकर्ता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश से जुड़े मामले में एक नया खुलासा हुआ है। अमेरिकी संघीय अदालत में दायर दस्तावेजों के अनुसार, पन्नू ने अपनी याचिका की प्रति भारत के शीर्ष खुफिया अधिकारी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को सौंप दी है। पन्नू की याचिका में आरोप लगाया गया है कि भारत सरकार, अजीत डोभाल और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने निखिल गुप्ता को पन्नू की हत्या के लिए हायर किया था। यह साजिश उस वक्त विफल हो गई जब गुप्ता द्वारा हायर किया गया शूटर असल में एक अंडरकवर अमेरिकी एजेंट निकला। याचिका में यह भी कहा गया कि यह *मर्डर फॉर हायर* साजिश भारत सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा थी, जिसमें सिख कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया गया। इनमें वे लोग शामिल हैं जो पंजाब में सिखों के आत्मनिर्णय के अधिकार की मांग कर रहे हैं, धार्मिक अल्पसंख्यकों के खिलाफ कथित उत्पीड़न की आलोचना कर रहे हैं और भारत में मानवाधिकार हनन के मामलों को उजागर कर रहे हैं। अदालत में पेश किए गए नए दस्तावेजों के मुताबिक, -शेष पृष्ठ दो पर

महाशिवरात्रि पर यूनिवर्सिटी में व्रत वाले खाने के साथ रखी फिश करी

नई दिल्ली। दिल्ली की साउथ एशियन यूनिवर्सिटी (एसएयू) में महाशिवरात्रि के अवसर पर छात्रों के दो गुटों के बीच विवाद हो गया। मामला मेस में व्रत के खाने और नॉन-वेज भोजन को एक साथ रखने को लेकर था। व्रत रखने वाले छात्रों का आरोप है कि उन्होंने पहले ही यूनिवर्सिटी प्रशासन से अनुरोध किया था कि व्रत का भोजन और नॉन-वेज अलग-अलग रखा जाए, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इस पर जब छात्रों ने विरोध किया, तो झगड़ा बढ़ गया और मारपीट तक पहुंच गया। छात्रों के एक गुट का कहना है कि शिवरात्रि के दिन लगभग 110 छात्रों ने व्रत रखा था और उन्होंने पहले ही प्रशासन -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस का मिशन-2026

केरल और असम के लिए राहुल-खड़गे ने कसी कमर

नई दिल्ली/गुवाहाटी। देश की सत्ता से बाहर होने के दो साल बाद कांग्रेस ने केरल और असम की सरकार भी गंवा दी थी। असम में भाजपा ने सरकार बनाई तो केरल में लेफ्ट ने अपना कब्जा जमाया था। इसके बाद से कांग्रेस सत्ता में वापसी नहीं कर सकी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव निपटते ही कांग्रेस ने मिशन-असम और केरल की तैयारी शुरू कर दी है। लोकसभा चुनाव में मिलीं 99 सीटों से कांग्रेस के हौसले जितने बुलंद हुए थे, वो हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली चुनाव में मिली हार से पस्त पड़ गए हैं। ऐसे में केरल और असम के लिए एक साल पहले ही कांग्रेस ने अपनी एक्सरसाइज शुरू कर दी है। केरल और असम में विधानसभा चुनाव मई-2026 में होंगे। दोनों ही राज्यों में विधान चुनाव के लिए एक साल से भी ज्यादा का समय है, लेकिन कांग्रेस ने सियासी तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस ने गुरुवार को असम तो शुक्रवार को केरल नेताओं की बैठक बुलाई, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी भी शिरकत करेंगे। इस दौरान कांग्रेस के चुनाव लड़ने से लेकर प्रचार अभियान तक को धार देने की स्ट्रैटजी बनेगी, क्योंकि ये पार्टी के लिए सत्ता में वापसी एक बड़ा चैलेंज है। असम में नौ साल पहले सत्ता खो चुकी कांग्रेस अपनी वापसी के लिए बेताब है। ऐसे में एक ओर कांग्रेस ने आम लोगों से जुड़े मुद्दों को जमीन पर उठाने का काम शुरू किया है, तो ये भी तय किया है कि वो असम में लोगों से जुड़े मुद्दों और वहां की कानून व्यवस्था को राष्ट्रीय स्तर पर उठाएगी। कांग्रेस ने असम के चाय बागानों, उनके वर्कर्स के मिनिमन वेजेज का मामला, कानून व्यवस्था और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर जमीन पर लोगों के बीच जाना शुरू कर दिया है। साथ ही हिमंत सरकार को भ्रष्टाचार के कठघरे में खड़ी करने -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में युनूस सरकार की निकल गई हेकड़ी!

छात्रों ने खुद की बनाई पार्टी नाहिद इस्लाम होंगे संयोजक

नई दिल्ली। बांग्लादेश में छात्रों के एक समूह ने एक नई राजनीतिक पार्टी के गठन की घोषणा की है। इन छात्रों के आंदोलन ने पिछले साल अगस्त में शेख हसीना सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया था। नए गणतांत्रिक छात्र संसद या डेमोक्रेटिक स्टूडेंट काउंसिल में शक्तिशाली स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमिनेशन (एसएडी) समूह के प्रमुख आयोजक शामिल हैं। बांग्लादेशी अखबार डेली स्टार के मुताबिक, नई पार्टी का नाम जतिया नागरिक पार्टी रखा गया है और इसे शुक्रवार को लॉन्च किया जाएगा। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार में सलाहकार रह चुके नाहिद इस्लाम को पार्टी का संयोजक और अख्तर हुसैन को सदस्य सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, हसनत अब्दुल्ला को मुख्य आयोजक (दक्षिण) के रूप में नामित किया गया है, जबकि सरजिस आलम को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

युवाओं को *आत्मनिर्भर भारत* लक्ष्य के प्रति समर्पित होना चाहिए : ओम बिरला

मुंबई (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को पुणे में कहा कि देश के युवा वर्ग को रोजगार के अवसर पैदा करके आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य के प्रति समर्पित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए भारत में विभिन्न क्षेत्रों में अपार अवसरों के साथ अनेक संभावनाएं हैं, इसलिए युवाओं को 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को प्राप्त करने के लिए अनुसंधान और नवाचार में अग्रणी बनना चाहिए। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला आज भारती विद्यापीठ के 26वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय युवा पहले से ही अपने

ज्ञान, क्षमताओं और बुद्धिमत्ता के साथ दुनिया का नेतृत्व कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने यह उल्लेख किया कि भारतीय युवाओं ने विकसित देशों की समृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ओम बिरला ने कहा कि नया भारत नए अवसरों के साथ समृद्धि के पथ पर अग्रसर है। भारत के युवाओं को अपने भविष्य के लिए विकसित देशों की ओर देखने के बजाय अपनी प्रतिभा और ऊर्जा को 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने पर केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय युवाओं में वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने की योग्यता है तथा ज्ञान, बुद्धि और क्षमताओं से संचालित भारत वैश्विक चुनौतियों के नए समाधान प्रदान करने में दुनिया का नेतृत्व करेगा। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने, कड़ी मेहनत करने और देश की समृद्धि में सक्रिय भागीदार बनने का आह्वान किया। ओम बिरला ने कहा कि शिक्षा तभी सफल मानी जाएगी जब इसका लाभ समाज के गरीब, उपेक्षित और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को मिलेगा। ओम बिरला ने कहा कि पिछले 75 वर्षों के दौरान लोकतंत्र के रूप में भारत की सफल यात्रा दुनिया के लिए प्रेरक है और आज दुनिया के अन्य देश लोकतांत्रिक भावना को बढ़ावा देने के लिए भारत की ओर देख रहे हैं।

स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश

इंडियन एसोसिएशन ऑफ जापान के साथ स्वास्थ्य मंत्री ने की बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। इंडियन एसोसिएशन ऑफ जापान के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को जनता भवन में स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल से मुलाकात कर एक बैठक की। इस सौहार्दपूर्ण बैठक में प्रतिनिधिमंडल ने असम में निवेश से जुड़े विभिन्न प्रस्ताव प्रस्तुत किए। अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश को लेकर बैठक में मुख्य रूप से चर्चा हुई। बैठक में यह भी चर्चा की गई कि भारत, विशेष रूप से असम में बढ़ती गैर-संचारी रोगों की रोकथाम में जापान किस प्रकार सहायता कर सकता है। बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में स्वास्थ्य मंत्री सिंघल ने कहा कि चर्चा के दौरान असम के स्वास्थ्य ढांचे, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन आदि क्षेत्रों में जापानी प्रतिनिधिमंडल ने निवेश की इच्छा जताई और इस पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने आगे बताया कि इस चर्चा को और गति देने के लिए असम का एक प्रतिनिधिमंडल भी भविष्य में जापान का दौरा करेगा।

प्रथम वाहिनी एसएसबी का वृद्धाश्रम में चिकित्सा शिविर आयोजित

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर क्षेत्र में मेडिकल सिविक एक्शन प्रोग्राम के हिस्से के रूप में, प्रथम वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), सोनापुर ने आज राजधानी गुवाहाटी के सोनापुर स्थित वृद्धाश्रम में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। यह शिविर वाहिनी के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में निवासियों को मुफ्त चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. टी. निर्जंता देवी, एसी (मेडिकल ऑफिसर), प्रथम वाहिनी सोनापुर और मेडिकल टीम ने नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, दवाएं और परामर्श दिया। प्रथम वाहिनी संदिक्षा की अध्यक्ष वैशाली कौशिक ने अन्य सभी संदिक्षा सदस्यों के साथ वृद्धाश्रम में रहने वाले नागरिकों को उनकी आवश्यकताओं के हिसाब से वस्तुएं मुहैया कराई। अंत में वाहिनी में चल रहे नाइयों के प्रशिकक्षण टीम ने वृद्धजनों को नि:शुल्क ग्रूमिंग सेवाएं प्रदान कीं।

पूसीरे के महाप्रबंधक ने गति शक्ति कार्गो टर्मिनल परियोजना के प्रगति की समीक्षा की

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव ने गुरुवार को मालीगांव स्थित पूसीरे मुख्यालय में वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की। इस बैठक में पीएम गति शक्ति संरचना के तहत क्षेत्र में माल लॉजिस्टिक को बढ़ाने और कार्गो हैंडलिंग की बुनियादी संरचना को सुव्यवस्थित करने की पूसीरे की प्रतिबद्धता के एक हिस्से के रूप में पूरे क्षेत्र में विकसित किए जा रहे नए गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों के प्रगति का आकलन किया गया। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया कि केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 25 फरवरी को गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढ़ाचा शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान सिलचर के पास मयनारवन्द और जोरहाट के पास सिनामारा में पहले से मौजूद दो टर्मिनलों के अतिरिक्त, असम में छह नए गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों के विकास की घोषणा की। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स टर्मिनल हैं, जिसे कार्गो के तेज और अधिक कुशल संचालन के लिए प्रमुख उद्योग साझेदारों की भागीदारी से निर्माण किया जा रहा है। ये टर्मिनल आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं, जिससे क्षेत्र में माल लॉजिस्टिक्स की दक्षता में सुधार और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आएगी। परिणामस्वरूप, भारत लॉजिस्टिक्स परफॉरमेंस इंडेक्स (एलपीआई) में अपनी स्थिति में सुधार कर सकेगा। इनमें से एक गति शक्ति कार्गो टर्मिनल असम के कामरूप (ग्रामीण) जिला अंतर्गत बाईहाटा में विकसित किया जा रहा है, जिसका निर्माण बीआर ट्रांसकॉन लिमिटेड कर रही है। टर्मिनल में तीन नई गुड्स लाइनें, एक इलेक्ट्रॉनिक इन-मोशन वेब्रिज, दो गुड्स प्लेटफार्मों के साथ सुदृढ़ गुड्स सर्कुलेटिंग क्षेत्र, चौबीसों घंटे संचालन के लिए हाई मास्ट लाइटिंग और ऑटोमोबाइल के कुशल संचालन के लिए विशेष रैंप सहित अन्य सुविधाएं होंगी। इस टर्मिनल पर हर महीने 25 से अधिक माल रेकों की हैंडलिंग किए जाने की उम्मीद है। महाप्रबंधक श्रीवास्तव ने संबंधित अधिकारियों को अगले एक महीने के भीतर यह कार्य पूरा करने का निर्देश दिया। इसी तरह, जोगीघोपा मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क में गति शक्ति कार्गो टर्मिनल का कार्य भी अग्रिम चरण में है और इसे मार्च 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इन कार्गो टर्मिनलों की स्थापना से भारतीय रेलवे के माल लॉजिस्टिक्स को आधुनिक बनाने और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लक्ष्य को सहयोग प्राप्त होता है। पूसीरे का विशेष जोर पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुनियादी संरचना और परिचालन दक्षता को मजबूत करने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और लॉजिस्टिक नेटवर्क को सुदृढ़ करने पर है।

गुवाहाटी में तेज रफ्तार कार की टक्कर से पुलिस अधिकारी की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के लालमाटी इलाके में एक भीषण सड़क दुर्घटना में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई। गुरुवार को प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक तेज रफ्तार स्विफ्ट कार (एएस- 01एवाई-9101) ने स्कूटी सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृत पुलिस अधिकारी की पहचान बिरींची कुमार दास के रूप में हुई है, जो घोगरापार थाने में तैनात थे और इस समय एक माह की छुट्टी पर थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना तब हुई जब स्कूटी सवार राष्ट्रीय राजमार्ग पार कर रहे थे। टक्कर के बाद स्विफ्ट कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, लेकिन चालक मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्थान पर अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और फरार कार चालक की तलाश जारी है।

बांग्लादेश-भारत के बीच 2019 के एमओयू पर सवाल, त्रिपुरा को जलापूर्ति रोकने की मांग

ढाका (हि.स.)। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में तरह-तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। देश की अंतरिम सरकार तमाशबीन बनी हुई है। अब आधिकारिक समझौते के अभाव का हवाला देते हुए बांग्लादेश की फेनी नदी से भारत के त्रिपुरा राज्य को जलापूर्ति तत्काल बंद करने की मांग करते हुए एक कानूनी नोटिस जारी किया गया है। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट के वकील मोहम्मद महमूदुल हसन ने हाल ही में एक नोटिस जल संसाधन मंत्रालय के सचिव, विदेश मंत्रालय के सचिव और संयुक्त नदी आयोग के सदस्यों को भेजा है। इसमें बांग्लादेश और भारत की सरकारों के बीच 2019 के समझौता ज्ञापन (एमओयू) का जिक्र किया गया है। यह एमओयू भारत को त्रिपुरा में सबरूम शहर को पानी की आपूर्ति के लिए बांग्लादेश की फेनी नदी से 1.82 क्यूसेक पानी निकालने की अनुमति देता है। नोटिस में दावा किया गया है कि यह एमओयू आधिकारिक समझौता नहीं है। साथ ही यह बांग्लादेश की संवैधानिक आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 145 और 145ए के अनुसार, किसी विदेशी राज्य के साथ कोई भी समझौता राष्ट्रपति को प्रस्तुत किया जाना चाहिए और संसदीय सत्र में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। नोटिस में तर्क दिया गया है कि एमओयू में पारस्परिकता की कमी बांग्लादेश के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है, क्योंकि भारत को जलापूर्ति के बदले में कोई लाभ नहीं दिया जा रहा है। नोटिस में इस बात पर चिंता व्यक्त की गई है कि भारत को अपने स्वयं के पंपों का उपयोग करके पानी निकालने की अनुमति दी गई है। यह बांग्लादेश की संप्रभुता का उल्लंघन है। यही नहीं, एमओयू 1.82 क्यूसेक की निकासी की अनुमति देता है जबकि भारत इससेअधिक मात्रा में पानी निकाल रहा है। इससे फेनी नदी के लिए गंभीर पर्यावरणीय जोखिम बढ़ रहा है।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI

ORTHOPAEDIC SURGEON

DR. ARUN KANNAN MS Ortho(aims),FAOA(Aus),FARS(USA) Fellowship in Hip and Knee/Tumors (Minneapolis, USA) &Hip & Knee Replacement (Richmond, USA)

Will be available only for consultation at Guwahati

ON 8th March'2025

Specialized in Computer Assisted Orthopaedic Surgery,Hip & Knee replacement, Arthroscopic Surgery,Modern Fracture treatment,Spine Surgeries, Back Pain related problems can register their names at:

APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

राज्य को लगभग...

देने वाली महत्वपूर्ण परियोजनाओं में से हैं। शर्मा ने असम की भारत की *संगीत राजधानी* बनने की क्षमता पर भी प्रकाश डाला, जो अपने समृद्ध सांस्कृतिक परिदृश्य और बढ़ते आतिथ्य क्षेत्र का लाभ उठा सकता है। चिकित्सा पर्यटन एक अन्य उच्च-विकास क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, जिसमें असम खुद को इस क्षेत्र में एक प्रमुख स्वास्थ्य सेवा केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार इस क्षेत्र में निवेश के अवसरों को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रही है, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ही खिलाड़ी आकर्षित हो रहे हैं। मुख्य सचिव कोटा के अनुसार, कुल निवेश में शीर्ष उद्योगपतियों से 1.25 लाख करोड़ और सरकारी बुनियादी ढांचे में 78,000 करोड़ निवेश शामिल हैं। जिला स्तर पर, 5,851 करोड़ के अतिरिक्त 1,921 समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे असम के जमीनी स्तर पर आर्थिक विकास को और मजबूती मिली। इस शिखर सम्मेलन में 67 मिशन प्रमुख, 76 सहभागी देश, 12 द्विपक्षीय एजेंसियां और नौ साझेदार राष्ट्र शामिल हुए, जिसने वैश्विक निवेश मानचित्र पर असम की बढ़ती प्रमुखता को उजागर किया। दो दिवसीय कार्यक्रम में 14,500 से अधिक उपस्थित लोगों ने भाग लिया, जिसमें 200 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि, भारत भर से 2,100 व्यापारिक नेता और छह केंद्रीय मंत्री शामिल थे, जिसमें 121 वक्ता शामिल थे। विशाल निवेश प्रतिबद्धताओं और रणनीतिक आर्थिक पहलों के साथ, असम तेजी से भारत के औद्योगिक और ऊर्जा परिदृश्य में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है, जो एक टिकाऊ और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने वित्तीय ...

इंफ्रास्ट्रक्चर शिखर सम्मेलन के लिए गुवाहाटी आए थे, जो बुधवार को समाप्त हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भारत के आर्थिक परिदृश्य में दृढ़ विश्वास व्यक्त किया और निवेशकों को देश में अवसरों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया। भारतीय अर्थव्यवस्था में मामूली गिरावट की प्रवृत्ति को स्वीकार करने के बावजूद, कौमे ने कहा कि विश्व बैंक भारत में अपने निवेश के प्रति आशावादी बना हुआ है।

औद्योगिक माहौल को ...

हो रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों से टिंगखांग के किसान आलू की खेती कर इसका निरंतर आपूर्ति कर रहे हैं। आज पुन: 50,000 किलोग्राम आलू पेप्सिको को भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर टिंगखांग के किसानों की मेहनत की सराहना की।

राज्यपाल की सख्ती ...

बताया जा रहा है कि समूह ने 246 हथियार सरेंडर कर दिए हैं। हथियारों के अलावा उन्होंने सुरक्षाबलों के हेलमेट, जूते, वर्दी और दंगे के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली जैकेट भी सरेंडर की हैं। मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने 20 फरवरी को राज्य की जनता से अपील की थी कि वे लूटे गए और अवैध रूप से रखे गए हथियारों को स्वेच्छा से सात दिनों के भीतर पुलिस को सौंप दें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया था कि इस अवधि में हथियार सौंपने वालों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। अरामबाई तेंगगोल के जनसंपर्क अधिकारी रॉबिन मंगांग ख्वायरकपम ने कहा कि भल्ला ने हमसे अवैध रूप से रखे गए हथियारों को सरेंडर करने का भी अनुरोध किया। ...हमने कुछ नियम और शर्तें रखीं और उन्हें आश्वासन दिया कि अगर शर्तें पूरी हुईं तो हथियार सरेंडर कर दिए जाएंगे। अरामबाई तेंगगोल ने भल्ला को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें म्यांमार के साथ सीमा पर बाड़ लगाने, कट-ऑफ के रूप में 1951 के साथ राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को लागू करने, *अवैध प्रवासियों* के निर्वासन, कुकी समूहों के खिलाफ अभियानों के निलंबन के समझौते को रद्द करने आदि की मांग की गई। इसने यह आश्वासन मांगा कि स्वयंसेवकों या सशस्त्र नागरिकों के खिलाफ कोई गिरफ्तारी या कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी, जिसमें अरामबाई तेंगगोल के लोग भी शामिल हैं, और बहुसंख्यक मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिया जाएगा। मणिपुर में हिंसा मई 2023 में शुरू हुई थी और इसमें कम से कम 260 लोगों की जान गई और राज्य में लगभग 60,000 लोग विस्थापित हुए। अरामबाई तेंगगोल पर कुकी आदिवासियों की हत्या करने और उनके घरों को नष्ट करने का आरोप लगाया गया है। मुख्य सचिव पी के सिंह ने 23 फरवरी को कहा था कि यदि कोई व्यक्ति सच में अपने हथियार सौंपना चाहता है तो ऐसा करने के लिए सात दिन की अवधि पर्याप्त है। उन्होंने स्पष्ट किया था कि यह अवधि समाप्त होने के बाद सुरक्षा बल अवैध हथियारों की जब्ती के लिए कार्रवाई करेंगे। इंफाल घाटी में बसे मेइती और पहाड़ी क्षेत्रों में बसे कुकी-जो समुदायों के बीच मई 2023 से शुरु हुई जातीय हिंसा में अब तक 250 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। केंद्र सरकार ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया था।

आजादी के बाद असम...

दौरान मुख्यमंत्री ने असम की भौगोलिक स्थिति और अन्य चुनौतियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि असम एक लैंडलॉक राज्य है और उग्रवाद सहित कई समस्याओं से जूझता रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि स्वतंत्रता के बाद असम का पांच बार विभाजन हुआ, जबकि बंगाल का आजादी के बाद फिर से विभाजन नहीं हुआ। डॉ. शर्मा ने कहा कि असम को अपनी राजधानी छोड़नी पड़ी थी, लेकिन इसके पुनर्निर्माण के लिए किसी प्रकार की वित्तीय सहायता नहीं मिली। उन्होंने कहा कि भारत में असम ही एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसे अपनी राजधानी से वंचित होना पड़ा और इसके पुनर्निर्माण के लिए कोई आर्थिक मदद नहीं दी गई। राज्य के विकास में दशकों की उपेक्षा को जिम्मेदार ठहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 1947 से 2014 के बीच असम को नजरअंदाज किया गया और यहां तक कि स्थानीय लोग भी राज्य की स्थिति को सुधारने में रुचि नहीं ले रहे थे। हालांकि, उन्होंने असम के आर्थिक भविष्य को लेकर विश्वास व्यक्त किया और दावा किया कि निवेश के मामले में राज्य ने पश्चिम बंगाल से भी अधिक प्रस्ताव प्राप्त किए हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल ने करीब 4.4 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आकर्षित किए होंगे, लेकिन हमने इससे अधिक हासिल किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वह असम की तुलना अन्य राज्यों से नहीं करना चाहते। उन्होंने कहा कि बंगाल बड़ा राज्य है, उसकी जनसंख्या अधिक है। असम एक छोटा राज्य है, इसलिए मैं तुलना में नहीं जाना चाहता।

मुख्यमंत्री ने भूटान के ...

राज्यपाल आचार्य ने असम और भूटान के बीच ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला और आध्यात्मिक पर्यटन सर्किटों के निर्माण सहित पारिस्थितिकी पर्यटन और संरक्षण में संयुक्त पहल का प्रस्ताव रखा। उन्होंने भूटानी छात्रों के लिए आरक्षित मेडिकल कॉलेज सीटों के माध्यम से असम की प्रतिबद्धता की भी सराहना की तथा जैविक खेती में भूटान की उपलब्धियों की भी सराहना की। भूटानी प्रतिनिधिमंडल ने गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी परियोजना की शुरुआत की तथा इसके विकास के लिए असम से सहयोग मांगा। राज्यपाल आचार्य ने पड़ोसी क्षेत्रों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए सहायता करने की असम की इच्छा व्यक्त की।

हिंदी ने कई भाषाओं ...

मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, खरिया, खोरठा, कुरमाली, कुरुख, मुंडारी और कई अन्य अब अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही हैं। एक अखंड हिंदी पहचान के लिए जोर देने से प्राचीन मातृभाषाएं खत्म हो रही हैं। यूपी और बिहार कभी भी सिर्फ हिंदी के गढ़ नहीं थे। उनकी असली भाषाएं अब अतीत की निशानियां बन गई हैं। स्टालिन के इस पोस्ट पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने करारा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि समाज को बांटने की ऐसी थोथी कोशिशों से खराब शासन कभी नहीं छिप पाएगा। इसी पोस्ट रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगे कहा कि यहां ये जानना जरूरी है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इस विषय पर क्या कहते हैं? क्या हिंदी भाषी सीट के सांसद के तौर पर वो इस बात से सहमत हैं?

एनएसए चीफ अजीत...

पन्नू ने दो कानूनी एजेंसियों और एक निजी जांचकर्ता की मदद से अमेरिका में डोभाल के दौरे के दौरान उन्हें समन सौंपने की व्यवस्था की। अमेरिकी अदालत में दायर घोषणाओं के अनुसार, अमेरिकी सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने समन स्वीकार करने से इनकार कर दिया था, हालांकि इसे उस स्थान पर भी भिजवाया गया जहां डोभाल ठहरे हुए थे। इसके बावजूद, अमेरिकी अदालत के 12 फरवरी 2025 के आदेश के तहत, डोभाल को वैकल्पिक माध्यमों से समन जारी किया गया। दस्तावेजों में कहा गया है कि पन्नू सम्मानपूर्वक अदालत को सूचित करते हैं कि प्रतिवादी (डोभाल) को समन देने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अगर समन देने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, तो अजीत डोभाल को 21 दिनों के भीतर अमेरिकी अदालत में पन्नू के मुकदमे का जवाब देना होगा। पन्नू ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर, डोभाल और उनके सहयोगियों ने अमेरिकी संप्रभुता का उल्लंघन करते हुए एक अमेरिकी नागरिक की हत्या की साजिश रची, सिर्फ इसलिए कि उसने अपने राजनीतिक विचार व्यक्त किए। उन्होंने आगे कहा कि मुझे अमेरिकी न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है और मुझे यकीन है कि सीमा-पार दमन (ट्रांसनेशनल रेप्रेशन) में शामिल अपराधियों को आपराधिक और दीवानी अदालत में न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। पन्नू के वकील मैथ्यू बोर्डन ने कहा कि हमने अजीत डोभाल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वह इस मामले में एक प्रमुख प्रतिवादी हैं और अब अपनी संलिप्तता को छिपा नहीं सकते। हम उनसे सबूत जुटाने और अपने मुवक्किल के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए तत्पर हैं।

महाशिवरात्रि पर यूनिवर्सिटी...

से सात्विक भोजन की अलग व्यवस्था करने की मांग की थी। हालांकि, जब वे मेस पहुंचे, तो वहां व्रत का खाना और मछली करी साथ रखी हुई थी। इस पर व्रतधारी छात्रों ने आपत्ति जताई और नॉन-वेज हटाने की मांग की। इसी दौरान झगड़ा हो गया, और दोनों पक्षों के बीच मारपीट तक की नौबत आ गई। दूसरे गुट के छात्रों का कहना है कि मेस में खाने की जगह सीमित थी, इसलिए नॉन-वेज और व्रत का खाना साथ रखा गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि व्रतधारी छात्र नॉन-वेज हटाने की मांग के बजाय उसे फेंकने की जिद कर रहे थे, जिस कारण विवाद हुआ। विवाद के दौरान व्रतधारी छात्रों ने आरोप लगाया कि स्न्नढ्ढ से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं ने नॉन-वेज उनके खाने के पास रखवाया और जब उन्होंने इसका विरोध किया, तो उनके साथ मारपीट की गई। वहीं, दूसरे गुट का कहना है कि व्रतधारी छात्रों ने पहले झगड़ा किया और उनसे जबरन मछली करी फेंकने को कहा। इस पूरे मामले को लेकर व्रतधारी छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को शिकायत दी है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल, यूनिवर्सिटी प्रशासन मामले की जांच कर रहा है और दोनों पक्षों की दलीलें सुनी जा रही हैं।

केरल और असम के ...

की स्ट्रैटजी है। ऐसे में असम के कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक में मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी असम की सियासी नब्ज को समझने की कवायद करेंगे। असम में कांग्रेस अपने संगठन को जमीन स्तर पर दुरुस्त करने में जुटी है ताकि अगले साल होने वाले चुनाव में भाजपा से मुकाबला कर सके। कांग्रेस की स्ट्रैटजी आगामी निकाय चुनावों को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। पार्टी का मानना है कि निकाय चुनावों में काफी हद तक साफ हो जाएगा कि वो कहां खड़ी है, उसके हिसाब से विधानसभा चुनाव की रणनीति पर नए तरीके से धार देगी। माना जा रहा है कि पार्टी भूपेन बोरा की जगह गौरव गोगोई को बैठाने की रणनीति चल रही है। गोगाई के चेहरे पर ही चुनाव लड़ने की स्ट्रैटजी है, क्योंकि उनके चेहरे पर खिसके वोटबैंक को फिर से पाने की उम्मीद है। कांग्रेस का जोर इस बार चाय बागानों व राज्य के जनजातीय बहुल इलाकों में है। उसको लगता है कि सत्ता से बाहर होने के बाद इन दोनों समुदायों में उसकी पकड़ ढीली हुई है। कांग्रेस का मानना है कि चाय बागान से जुड़े तबके का लगभग 40 फीसदी वोट दरका है। इस समुदाय का 30 फीसदी वोट नहीं आता है तो उसके लिए सरकार बनाना आसान नहीं है। इसके अलावा कांग्रेस की नजर आदिवासी वोटों पर है, जिसके लिए पार्टी स्थानीय व कुछ छोटे दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की प्लानिंग कर रही है। कांग्रेस की रणनीति है कि छोटे क्षेत्रीय दल भले ही अपने दम पर जीत न पाएं, लेकिन वो जितने भी वोट लेंगे, वो कांग्रेस के लिए मददगार साबित हो सकते हैं। केरल में कांग्रेस 9 साल से सत्ता से बाहर है। राहुल गांधी द्वारा केरल का प्रतिनिधित्व करने के बाद भी कांग्रेस 2021 के विधानसभा चुनाव में वापसी नहीं कर सकी थी। अब राहुल की जगह प्रियंका गांधी वायनाड से सांसद हैं। इस तरह से केरल का चुनाव गांधी परिवार की प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ है। केरल में 2016 से लेफ्ट की अगुवाई वाले एनडीएफ का कब्जा है। पिनरायी विजयन सीएम हैं और उन्होंने 2021 का चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया था। केरल में कोई भी सत्ताधारी पार्टी रिपीट नहीं कर सकी थी लेकिन विजयन ने सत्ता परिवर्तन की रिवायत को तोड़ा था। 2024 में कांग्रेस केरल में क्लीन स्वीप करने में कामयाब रही है, जिसके बाद सत्ता में वापसी का तानाबाना बुन रही है। हालांकि, कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने जिस तरह से सियासी तेवर दिखाए हैं, उसके बाद पार्टी की टेंशन बढ़ गई है। केरल में कांग्रेस पहले ही दो गुटों में बटी है। एक गुट रमेश चेन्निथला का है तो दूसरे की अगुवाई कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल कर रहे हैं। केसी वेणुगोपाल की गिनती राहुल गांधी और गांधी परिवार के करीबियों में होती है। साल 2021 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद रमेश चेन्निथला गुट की पकड़ पार्टी पर कमजोर पड़ी है और केसी वेणुगोपाल का प्रभाव बढ़ा है। मौजूदा केरल कांग्रेस अध्यक्ष के। सुधाकरन और विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन भी केसी वेणुगोपाल के करीबी माने जाते हैं। ऐसे में अब शशि थरूर के रूप में तीसरा धड़ा खड़ा हो रहा। थरूर ने राहुल से मिलकर केरल में सीएम चेहरा घोषित करने की मांग उठाई थी, जिसके लिए उन्होंने अपने नाम को आगे किया था। राहुल गांधी इस पर तैयार नहीं हुए तो थरूर ने बागी तेवर अपना लिए हैं। थरूर के तेवर ने कांग्रेस की सियासी टेंशन बढ़ा दी है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे शुक्रवार को केरल नेताओं के साथ बैठक कर अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन करेंगे। साथ ही पार्टी में बढ़ रही गुटबाजी को भी दूर करने की चुनौती होगी। इस बैठक में थरूर भी शामिल हो रहे हैं। कांग्रेस केरल को लेकर किस तरह की स्ट्रैटजी के साथ आगे बढ़ेगी और किस चेहरे को आगे कर चुनावी मैदान में उतरेगी? केसी वेणुगोपाल केरल में खुद को सीएम चेहरे को तौर पर देख रहे हैं, लेकिन थरूर के सियासी तेवर के बाद कांग्रेस के लिए उनके चेहरे पर मुहर लगाना आसान नहीं है। ऐसे में देखना है कि कांग्रेस के मंथन से क्या निकलता है?

छात्रों ने खुद की ...

उत्तरी क्षेत्र का मुख्य आयोजक और नसीरुद्दीन पटवारी को मुख्य समन्वयक के रूप में नामित किया गया है। ये निर्णय नागोरिक समिति और भेदभाव विरोधी छात्रों की संयुक्त बैठक के दौरान लिए गए, जो आज दोपहर राजधानी के बांग्लामोटर स्थित नागोरिक समिति के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित की गई। नाहिद इस्लाम यूनुस सरकार की कैबिनेट में सूचना सलाहकार के पद थे लेकिन बुधवार को उन्होंने नाटकीय ढंग से इस्तीफा दे दिया। नाहिद इस्लाम ने इस्तीफे के बाद एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि देश के मौजूदा हालात को देखते हुए एक नई पार्टी का उदय जरूरी हो गया है. मैंने जन विद्रोह को मजबूत करने के लिए सड़कों पर बने रहने का फैसला किया है। इसलिए कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। नाहिद इस्लाम ने पिछले साल जुलाई में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के खिलाफ *भेदभाव विरोधी* छात्र आंदोलन का नेतृत्व किया था।

5.0 तीव्रता वाले ...

तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप तड़के 2:25 बजे 16 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप के झटके गुवाहाटी, शिलांग और असम के अन्य हिस्सों के साथ-साथ बांग्लादेश, भूटान और चीन में भी महसूस किए गए। खबरों के मुताबिक, झटके इतने तेज थे कि गुवाहाटी और आसपास के इलाकों के लोग जाग गए। हालांकि, अभी तक किसी बड़े नुकसान या किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। इससे पहले मंगलवार तड़के बंगाल की खाड़ी में रिक्टर स्केल पर 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के मुताबिक, भूकंप सुबह 6:10 बजे 91 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप के झटके ओडिशा में महसूस किए गए थे।

वक्फ पर जेपीसी के ...

जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी ने 19 फरवरी को की थी। बजट सत्र का दूसरा भाग 10 मार्च से शुरू होगा। जेपीसी पर रिपोर्ट 13 फरवरी को संसद के दोनों सदनों में पेश की गई। समिति की कार्यवाही के दौरान पेश किए गए 44 संशोधनों में से पैनल ने एनडीए सदस्यों द्वारा सुझाए गए 14 बदलावों को मत विभाजन के जरिए स्वीकार किया था।

असम को समृद्धि की ओर ले जाएगा एडवांटेज असम 2.0 समिट : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि असम के लिए बीते तीन दिन ऐतिहासिक साबित हुए हैं। इन दिनों में न केवल हमारे उज्ज्वल भविष्य के द्वार खोले बल्कि असम की अनूठी सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर भी दिया। इसके साथ ही, असम की आर्थिक नींव को मजबूत करने और संपर्क सुविधाओं को विकसित करने में भी अपूर्व सफलता मिली है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सैकिया ने गुरुवार को एक बयान जारी कर कहा कि विशेष रूप से असम को निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 25 और 26 फरवरी को गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित असम वेटरिनरी कॉलेज ग्राउंड पर *एडवांटेज असम 2.0 इन्वेस्टमेंट एंड कनेक्टिविटी समिट* का आयोजन किया। इस आयोजन को न केवल देशभर से बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपार समर्थन मिला, जो असमवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि असम के परिश्रमी मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में इस दो दिवसीय सम्मेलन में असम को 4.91 लाख करोड़ रुपए के निवेश मिले, जो असम के इतिहास की सबसे बड़ी निवेश उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि निवेश प्राप्त करने वाले प्रमुख क्षेत्रों में रिफाइनरी, फूड प्रोसेसिंग और अनुसंधान

क्षेत्र का विकास, सौर, जलविद्युत और बायो-एनर्जी परियोजनाओं का विस्तार, असम को एक प्रमुख पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करना, चिकित्सा सुविधाओं और दवा उद्योग को सशक्त बनाना; व्यापार मार्गों, मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम और सीमा व्यापार का विकास तथा असम को डिजिटल नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करना आदि शामिल हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राज्य सरकार ने औद्योगिक और व्यापारिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं, जिनमें नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाना और परियोजनाओं की मंजूरी में तेजी लाना, कर छूट और क्षेत्र-विशिष्ट प्रोत्साहन योजनाएं, असम की स्टार्टअप नीति के तहत नए उद्यमों को बढ़ावा देना, लॉजिस्टिक्स आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने के लिए इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि *एक बार असम* को दुनिया जल्द ही पहचानेगी। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने असम को उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर किया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि टाटा, अडानी, रिलायंस, जेएसडब्ल्यू, एसआर, वेदांता, ग्लोबल हेल्थ लिमिटेड सहित कई भारतीय और विदेशी कंपनियों ने विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने का संकल्प लिया है। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्रियों - एस जयशंकर, अश्विनी वैष्णव, पीयूष गोयल, नितिन गडकरी, हरदीप सिंह पुरी, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थन ने इस आयोजन को और सफल बनाया। इस समिट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। उन्होंने कहा कि इस शिखर सम्मेलन की सफलता का श्रेय 75 देशों के प्रतिनिधियों, 67 देशों के मिशन प्रमुखों, नौ मित्र देशों के विशेष प्रतिनिधियों, असम सरकार के मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों को जाता है। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

नियम उल्लंघन के मामले में पटाचारकुची राजस्व अधिकारी निलंबित

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने बजाली जिले के पटाचारकुची के राजस्व सर्किल अधिकारी मासूम यूसुफ अहमद को कदाचार और सेवा नियमों के उल्लंघन के आरोपों पर निलंबित कर दिया है। एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि अहमद पूर्णकालिक सरकारी अधिकारी के रूप में सेवा करते हुए कथित तौर पर निजी नौकरी में लगे हुए थे। यह कृत्य असम सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 का उल्लंघन करता है। मुख्यमंत्री के विशेष सतर्कता प्रकोष्ठ द्वारा जांच के बाद उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई। सार्वजनिक सेवा की अखंडता को बनाए रखने के लिए, असम के राज्यपाल ने उनके तत्काल निलंबन को मंजूरी दे दी। यह कार्रवाई असम सेवा (अनुशासन और अपील) नियम, 1964 के नियम 6(1) के तहत की गई है। विभागीय कार्रवाई पूरी होने तक उनका निलंबन लागू रहेगा। इस बीच, आधिकारिक निर्देशों के अनुसार, निलंबन अवधि के लिए गुवाहाटी को अहमद का मुख्यालय नामित किया है।

पेयजल आपूर्ति की पाइप में विस्फोट आम लोगों को हुई परेशानी

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी में कुछ साल पहले गेमन इंडिया ने पेयजल आपूर्ति की पाइपलाइन बिछाने का काम किया था। वर्तमान में आए दिन सड़क किनारे पाइप फटने से पानी बहता रहता है, जिसके चलते आम लोगों को यातायात संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस बार पांडु केबिन इलाके में गुरुवार की सुबह पानी की पाइप फटने से एक बड़ा विस्फोट हुआ। विस्फोट के कारण पूरा क्षेत्र जलमग्न हो गया और वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप पड़ गई। स्थानीय पार्षद अजय चक्रवर्ती ने जल बोर्ड को सूचना दी, जिसके बाद लगभग एक घंटे के अंदर पानी के प्रवाह को नियंत्रित किया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, पिछले एक महीने से पांडु अग्निशमन कार्यालय के पास पाइप लीक हो रहा था। राहगीरों और वाहनों की सुविधा के लिए स्थानीय लोगों ने वहां बांस लगाकर संकेत भी दिया था, लेकिन अब तक जल बोर्ड ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।

इस लापरवाही का नतीजा आज सबके सामने आ गया। गौरतलब है कि जल बोर्ड पाइप की मरम्मत के लिए सड़कें खोदता है, लेकिन काम खत्म होने के बाद सड़कों की मरम्मत नहीं की जाती। इससे आम जनता को यातायात संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने जल बोर्ड से जिम्मेदार बनने की अपील की है ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं का सामना न करना पड़े।

शिवसागर में शिवरात्रि का तीसरा दिन, भक्तों में उत्साह

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर में महाशिवरात्रि का तीसरा दिन पूरे धार्मिक उत्साह और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। गुरुवार सुबह से ही हजारों श्रद्धालु ऐतिहासिक शिवदौल मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए लंबी कतारों में खड़े नजर आए। शिवसागर के इस ऐतिहासिक मंदिर में 25 फरवरी से चार दिवसीय महाशिवरात्रि उत्सव मनाया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा और व्यवस्था के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं, जिससे पूरा शहर भक्तिमय और उत्सवमय माहौल में डूबा हुआ है। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ-साथ कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। शिवरात्रि के इस पावन पर्व पर श्रद्धालु उपवास रखते हुए भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर रहे हैं और देश, समाज तथा अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। हर वर्ष की भांति इस बार भी उत्सव के साथ एक विशाल मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें स्थानीय और बाहरी राज्यों से आए 500 से अधिक व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने भाग लिया है। इस उत्सव को देखते हुए प्रशासन ने आज शिवसागर जिले में स्थानीय अवकाश घोषित किया है। मेले का उद्घाटन जोरहाट लोकसभा के सांसद एवं कांग्रेसी नेता गौरव गोगोई तथा राइजर दल के प्रमुख एवं शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई ने किया।

अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास ने राज्यपाल आचार्य से मुलाकात की

गुवाहाटी। कोलकाता में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास सुश्री कैथी जाइल्स डियाज ने आज राजभवन में असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से शिष्टाचार भेंट की और राज्य की अर्थव्यवस्था, पर्यटन और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल श्री आचार्य ने असम के पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में मजबूत विकास की ओर राजदूत का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने विदेशी निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए राज्य सरकार और भारत सरकार के संयुक्त प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। एडवांटेज असम 2.0 कार्यक्रम में राजदूत की उपस्थिति को स्वीकार करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह अमेरिका और असम के मैत्रीपूर्ण संबंधों और साझा हितों को दर्शाता है। चर्चा के दौरान राज्यपाल ने हर साल उत्तर पूर्व से बड़ी संख्या में छात्रों सहित बड़ी संख्या में लोगों के अमेरिका आने की ओर इशारा करते हुए राजदूत से गुवाहाटी में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास का कार्यालय स्थापित करने का अनुरोध किया। इसके अलावा, राज्यपाल ने गुवाहाटी में यू.एस. सूचना सेवा (यू.एस.आई.एस.) लाइब्रेरी के निर्माण का भी अनुरोध किया। कैथी जाइल्स डियाज ने असम के प्राकृतिक संसाधनों और इसकी कुशल, ऊर्जावान आबादी की बहुत प्रशंसा की। उन्होंने असम और यू.एस. के बीच छात्र आदान-प्रदान और शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ाने की आवश्यकता भी व्यक्त की। राज्यपाल श्री आचार्य ने सुश्री डियाज से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है, का दौरा करने का भी अनुरोध किया, जो अपने राजसी वन्य जीवन और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुश्री कैथी जाइल्स डियाज के साथ कोलकाता स्थित यू.एस. महावाणिज्य दूतावास के राजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ टिंकू रॉय भी थे। यू.एस. महावाणिज्य दूतावास ने असम के राज्यपाल से मुलाकात की कई मुद्दों पर बातचीत की, खासकर शैक्षणिक कार्यक्रमों पर चर्चा की गुवाहाटी, 27 फरवरी: कोलकाता स्थित यू.एस. महावाणिज्य दूतावास की सुश्री कैथी जाइल्स डियाज ने आज राजभवन में असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से शिष्टाचार भेंट की और राज्य की अर्थव्यवस्था, पर्यटन और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत सहित कई मुद्दों पर बातचीत की। राज्यपाल श्री आचार्य ने राजदूत का ध्यान असम के पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में मजबूत विकास की ओर आकर्षित किया। उन्होंने विदेशी निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए राज्य सरकार और भारत सरकार के संयुक्त प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। राज्यपाल ने एडवांटेज असम 2.0 कार्यक्रम में राजदूत की उपस्थिति को स्वीकार करते हुए कहा कि यह अमेरिका और असम के मैत्रीपूर्ण संबंधों और साझा हितों को दर्शाता है। चर्चा के दौरान राज्यपाल ने हर साल उत्तर पूर्व से बड़ी संख्या में छात्रों सहित बड़ी संख्या में लोगों के अमेरिका आने की ओर इशारा करते हुए राजदूत से गुवाहाटी में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास का कार्यालय स्थापित करने का अनुरोध किया। इसके अलावा, राज्यपाल ने गुवाहाटी में अमेरिकी सूचना सेवा (यूएसआईएस) लाइब्रेरी के निर्माण का भी अनुरोध किया। सुश्री कैथी जाइल्स डियाज ने असम के प्राकृतिक संसाधनों और इसकी कुशल, ऊर्जावान आबादी की बहुत प्रशंसा की। उन्होंने असम और अमेरिका के बीच छात्र आदान-प्रदान और शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ाने की आवश्यकता भी जताई। राज्यपाल श्री आचार्य ने सुश्री डियाज से काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, एक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, जो अपने राजसी वन्य जीवन और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है, का दौरा करने का भी अनुरोध किया। सुश्री कैथी जाइल्स डियाज के साथ कोलकाता स्थित अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास से राजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ टिंकू रॉय भी थे।

सोनापुर और बशिष्ठ पुलिस ने तीर माफिया और चोर को दबोचा

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस को दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता मिली है। सोनापुर पुलिस ने एक तीर माफिया को गिरफ्तार किया, जबकि बशिष्ठ पुलिस ने एक आदतन चोर को दबोचा। पहले मामले में एक तीर (एक तरह का जुआ) माफिया को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि सोनापुर पुलिस ने अभियान चलाकर नजरुल अली (38) नामक एक तीर माफिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है और मामले की जांच जारी है। दूसरे मामले में एक आदतन चोर को पकड़ा। गुप्त सूचना के आधार पर बशिष्ठ पुलिस ने मृणाल अली (19) नामक एक आदतन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से चोरी का सामान बरामद कर जब्त कर लिया गया है। दोनों मामलों में पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

निजी क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थान विक्रम साराभाई विज्ञान अकादमी में नए कनेक्टेड क्लासेज और स्कूल बस सेवाएं शुरू

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको-छयगांव निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत ग्रेटर नगरबेड़ा में निजी क्षेत्र की अग्रणी शैक्षणिक संस्था विक्रम साराभाई साइंस एकेडमी ने अंग्रेजी माध्यम की नई जोड़ी गई नर्सरी से कक्षा सात के साथ आज से शुरू होने वाली कक्षाओं की बी ब्लॉक हाउस और बस सेवा का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर बिमला प्रसाद चलिहा महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रभारी प्राचार्य दयानंद दास द्वारा बी ब्लॉक हाउस का औपचारिक उद्घाटन किया गया और स्कूल बस सेवा का औपचारिक उद्घाटन विद्यालय के मालिक डॉ. अब्दुल जलील की मां जहूरा खातून

ने लाल रिबन काटकर स्कूल के छात्रों को लाने के लिए किया। इसके बाद स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. अबुल बसर की अध्यक्षता में उद्घाटन बैठक हुई। कार्यक्रम को विद्यालय की शैक्षिक पर्यवेक्षक मनीषा सैकिया ने संबोधित किया, जिसमें नगरबेरा क्षेत्रीय मौजा विकास समिति के पूर्व अध्यक्ष उदय शंकर मेधी, लुईपरिया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जसीम उद्दीन अहमद, प्रोफेसर डॉ. अनवर हुसैन, शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन के आचार्य खणीन्द्रा चौधरी ने भाषण प्रदान किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय की शिक्षन क्षेत्र में और दो कदम आगे जाने में सक्षम होने की उम्मीद जताई। सभा में डएअब्दुल जलील, प्रबंध निदेशक, विक्रम साराभाई विज्ञान अकादमी, योगेश ठाकुरिया, सामाजिक कार्यकर्ता मानीक अली, सेवानिवृत्त शिक्षक रमजान अली, प्रधानाध्यापक मीर काशेम अली, अमीना खातून, स्कूल के शिक्षक और शिक्षक के साथ माता-पिता और छात्रों का एक समूह उपस्थित था। उल्लेखनीय है कि उद्घाटन समारोह में विद्यालय के शिक्षकों ने संगीत प्रस्तुत किया और कई विद्यार्थियों ने नृत्य प्रदर्शन किया।

एडवांटेज असम-2.0 सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि बहुप्रतीक्षित *एडवांटेज असम-2.0* सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस भव्य आयोजन में लगाई गई प्रदर्शनी सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र बनी है। प्रदर्शनी को अब 1 मार्च तक आम जनता के लिए खोल दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी में हमारे औद्योगिक विकास, योजनाओं और विभिन्न दृष्टिकोणों को देखा और समझा जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे खानापाड़ा के पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के मैदान में चल रही इस प्रदर्शनी का अवश्य भ्रमण करें।

बंगाईगांव के बाघेश्वरी मंदिर में महादेव की मुर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा

बंगाईगांव। मन में दृढ़ संकल्प हो तो कोई भी कार्य किया जा सकता है चाहे कितनी भी विपरीत प्रस्थितियां क्यों न हो। इसी को चरितार्थ कर दिखाया है साधारण आजिविका से अपना जीवन यापन करने वाला परिवार बंगाईगांव के स्व. घिसालाल सैन के पुत्र महेश सैन ने। अपने सीमित संसाधनों के बावजूद बंगाईगांव के प्रसिद्ध मां बाघेश्वरी मंदिर प्रांगण में बाघेश्वर महादेव की मुर्ति के साथ शिव दरबार में अन्य मुर्तियों श्री गणेश, माता पार्वती, स्वामी कार्तिकेय, नंदेश्वर, नागदेव की प्राण-प्रतिष्ठा विधि विधान से महेश सैन-सुमन देवी ने अपने हाथों से करवाई। सोमवार से शुरू हुए तीन दिवसीय कार्यक्रम में प्रथम दिन श्री गणेश पूजन, देव एवं कलश स्थापना, प्रतिमाओं का अधिवास तथा हवन कराया गया तथा दूसरे दिन मंगलवार को मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति, आरती एवं प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन बुधवार को महाशिवरात्रि के दिन महारूद्राभिषेक कराया गया तथा दोपहर को भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें धुबड़ी से आए गायक कलाकार तेजा पारिक, विपुल सिंघा ने सुदामा चरित्र की झांकी के साथ भजनों की अमृत वर्षा की जिसमें अन्य भजनों के साथ भोले बाबा के अनेक भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। इसके अलावा स्थानीय गायक कलाकारों ने भी अपनी भजनों की प्रस्तुति दी तथा साथ ही चंग की थाप पर घमाल गीत गाकर भक्तों को नाचाया। बाघेश्वरी मंदिर की जयंती चौधरी ने इस प्रांगण में स्थापित किए गए शिवालय के ऊपर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसकी प्रशंसा व्यक्त की और कहा कि यहां आने वाले भक्तों को बाबा शिव की पूजा करने का भी मौका मिलेगा।

सांवरिया भक्त मंडल की होजाई से नगांव श्यामधाम तक भव्य निशान यात्रा एक मार्च को

होजाई (निसं)। सांवरिया भक्त मंडल, होजाई के बैनरतले धार्मिक कार्यक्रमों के तहत आगामी 1 मार्च वार शनिवार को *विशाल निशान यात्रा* का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां प्रारंभ हो चुकी है। उक्त धार्मिक कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु राजेश केजरीवाल, प्रमोद मोर व निरंजन सरावगी को संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। हमारे संवाददाता को जानकारी देते हुए राजेश केजरीवाल व संजय मुरारका बताया निशान यात्रा होजाई के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर से निकलेगी, जो विभिन्न शहरों, गांवों से होती हुई 2 मार्च सायंको नगांव श्यामधाम पहुंचकर बाबा श्याम को निशान अर्पित किए जाएंगे। शनिवार को प्रात: 6:15 बजे विधिवत पूजा-अर्चना के पश्चात बाबा श्याम के जयकारों के साथ निशान यात्रा का शुभारंभ होगा। निशान यात्रा के लिए एक श्याम रथ सजाया जाएगा, जो यात्रा के दौरान साथ-साथ चलेगा। उक्त रथ में बाबा श्याम की तस्वीर के सम्मुख ज्योत प्रज्वलित की जाएगी, जो निशान यात्रा के साथ चलती रहेगी। निशान यात्रा श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर से निकलकर शहर के जेके केडिया पथ, इस्लाम नगर, नीलबागान, डबका,जबड़ाखुवा होती हुई कोठियातूली पहुंचेगी, जहां भजन कीर्तन के बाद रात्रि विश्राम होगा। 2 मार्च को सुबह पूजा-अर्चना के बाद फिर निशान यात्रा प्रारंभ होगी, जो सायं नगांव श्याम धाम पहुंचकर बाबा श्याम को अर्पित की जाएगी। निशान यात्रा में होजाई समेत लंका, डबका, कठियातूली, जमुनामुख व नगांव के श्याम भक्त भी निशान उठाएंगे। युवाओं हेतु कुर्ता-पायजामा व मातृशक्ति के लिए लाल-पीली साड़ी या शलबार सुट पहनने का अनुरोध किया गया है।

ऊबर का राज्य में शेयर्ड मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए कारपूलिंग सेवा सारथी शुरू

गुवाहाटी। भारत के अग्रणी राईडशेयरिंग प्लेटफॉर्म, ऊबर ने आज असम में पीयर-टू-पीयर कारपूलिंग सेवा *ऊबर सारथी* की शुरुआत की। इस सेवा द्वारा राज्य में शहरी मोबिलिटी की जरूरतें पूरी हो सकेंगी और आय के अवसरों का सृजन होगा। राज्य सरकार की इन्वेस्टमेंट समिट, एडवांटेज असम के अवसर पर ऊबर ने महिलाओं और अनुभवियों के लिए नई कारपूलिंग सेवा की घोषणा की, जो ट्रिप्स पर जाने के लिए अपने निजी फोर-व्हीलर वाहनों को ऊबर प्लेटफॉर्म पर ऑनबोर्ड कर सकेंगे। ऊबर ने असम सरकार के साथ एक मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जिसके अंतर्गत अगले तीन सालों में 120 करोड़ का निवेश किया जाना है। 2023 में असम पहला भारतीय राज्य बना, जिसने अपने मोटर वाहन दिशानिर्देशों के अंतर्गत कारपूलिंग की अनुमति प्रदान की। ऊबर की नई पेशकश, *सारथी* द्वारा असम के मौजूदा मोबिलिटी इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग किया जाएगा और

इसके साथ टेक विशेषज्ञता एवं शेयर्ड मोबिलिटी समाधान प्रदान करने के वैश्विक अनुभव की मदद से एस्सेट्स को अनुकूलित किया जाएगा। ऊबर अपनी टू-व्हीलर टैक्सी सेवा, ऊबर मोटो द्वारा अगले तीन सालों में 20,000 आजीविका के अवसर प्रदान करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। असम सरकार के माननीय परिवहन मंत्री श्री जोगेन मोहन ने कहा कि असम सरकार कनेक्टिविटी बढ़ाने, सड़क से ट्रैफिक को कम करने, और आजीविका निर्माण के लिए स्मार्ट मोबिलिटी समाधान अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी तरह की पहली कारपूलिंग सेवा के साथ ऊबर सारथी अभियान समावेशी वृद्धि और सस्टेनेबल विकास को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण से मेल खाता है। असम के माननीय मुख्यमंत्री, हिमंता विश्व सर्मा ने कहा कि असम सरकार ऐसे स्मार्ट मोबिलिटी समाधान अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जो कनेक्टिविटी बढ़ाएं, सड़क के यातायात में कमी लाएं, और आजीविका का सृजन करें। ऊबर सारथी अभियान समावेशी वृद्धि और सतत विकास लाने के हमारे उद्देश्य के अनुरूप है। असम तेजी से निवेश और इनोवेशन के केंद्र के रूप में उभर रहा है, और हम अपने मोबिलिटी एवं आर्थिक सशक्तीकरण के उद्देश्यों में योगदान देने की ऊबर की प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं। ऊबर इंडिया एवं साउथ एशिया के हेड, रीजनल ड्राईवर ग्रोथ, मनीष बिंद्रानी ने कहा कि हम पीयर-टू-पीयर कारपूलिंग अपनाने वाला भारत का पहला राज्य बनने के असम सरकार के प्रगतिशील विजन के लिए उन्हें बधाई देते हैं। इस सेवा में मोबिलिटी के उद्देश्य पूरे करते हुए नए आर्थिक अवसर उत्पन्न करने की क्षमता है। हम क्षेत्र में इनोवेशन और निवेश लाने की असम सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं। असम सस्टेनेबल और समावेशी विकास के मानक स्थापित कर रहा है। हम मोबिलिटी में परिवर्तन लाने और समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए असम सरकार के साथ काम करने के लिए उत्साहित हैं। ऊबर प्लेटफॉर्म पर कारपूलिंग अभियान के अंतर्गत ड्राईव करने वाली महिलाओं और अनुभवियों की ऊबर के सुरक्षा मानकों के अनुरूप कठोर बैकग्राउंड जाँच की जाएगी। राईडर्स और ड्राईवर्स, दोनों ही ऊबर के टेक्नोलॉजी समर्थित फीचर्स, जैसे 24×7 सेफ्टी लाईन, इन-ऐप इमरजेंसी बटन, फोन नंबर एनोनिमाईजेशन आदि का उपयोग कर सकेंगे। ऊबर एकमात्र राईड-हेलिंग कंपनी है, जो 2022 में उत्तरपूर्व भारत के सभी 7 राज्यों में पहुंच चुकी थी। यहां पर कंपनी सुरक्षित, भरोसेमंद और किफायती मोबिलिटी विकल्प प्रदान करते हुए लगातार अपने कदमों को मजबूत कर रही है।

संपादकीय

विज्ञान शून्यता के खोटे सिक्के

यहां असलियत के सिक्के खोटे निकले, हमने सिर्फ अपनी हैसियत में उछाले थे। प्रदेश के 66 सीनियर सेकेंडरी स्कूल विज्ञान की प्रयोगशाला में शून्य निकले, क्योंकि हमें साइंस का तमगा दिखाना था। आश्चर्य यह कि हिमाचल में तमगों के लिए विकास और तमगों के इतिहास में बजट का सत्यानाश होता है। ये 66 विज्ञान केंद्र यूं ही बंद नहीं हुए, बल्कि इन्हें हमारी आवश्यकता, हमारे ज्ञान, हमारे सरोकार और हमारे अहंकार ने नकारा है। यही विज्ञान केंद्र केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में हार रहा है और आइंदा और हारेगा। शिक्षा के यही पहलू बदतमीज व सियासत के खुदगर्ज हैं, जो फुटबाल की तरह इंस्टीच्यूट-इंस्टीच्यूट खेलते हैं। अब तो मेडिकल कालेज हारने लगे और संदेह है तो पूछिए क्यों मेडिकल यूनिवर्सिटी के पंख आहत हैं? क्यों तकनीकी विश्वविद्यालय की आफत में तमाम इंजीनियरिंग कालेज बर्बाद हो चुके हैं, क्यों बीएड कालेज शिक्षा को बेसहारा कर चुके हैं। ये तख्तियां एक दिन ताबूत बनेंगी, कब तक तमन्ना को नकली पोशाक में जिंदा रखोगे। बेशर्मी के मुकाबले में अगले दस साल बाद हो सके तो पूछना कि केंद्रीय विश्वविद्यालय को धर्मशाला से बेदखल करने वालों ने शिक्षा के मकबरे क्यों चिने थे। हम 66 स्कूलों में विज्ञान के मकबरे और योजना के ताबूत ही नहीं देखते, बल्कि वहां ज्ञान और अध्ययन की समाधियां भी चुन सकते हैं। हैरानी यह कि इन्हीं स्कूलों में विज्ञान अध्ययन के कक्ष में 201 लेक्चरर आराम फरमाते पकड़े गए। तारीफ किसकी करें और विभाग की अमानत में किसे चुनें। जैसे-जैसे स्कूल बंद हो रहे हैं, इनके कारणों के बजाय आज भी समाज इन्हें बचाने का तर्क खोज रहा है। सियासत के खंभों से मुनादी यह कि निरर्थक स्कूल भी परिवेश की अमानत हैं। यह युद्ध आसान नहीं और सबसे मुश्किल होता है अपने ही आचरण को अनुशासित रखना। अगर 66 विज्ञान सीनियर सेकेंडरी स्कूल निकम्मे साबित हो सकते हैं, तो इसका यह अर्थ नहीं कि पढ़ाई का कोई कसूर था। यहां हमारे संकल्प और मॉडल की हार हुई है। यहां अभिभावकों की ख्वाहिश और रोजगार के बाजार की फरमाइश भी हारी है। स्कूलों में एक विषय रोजगार की जानकारी, परिवेश की समझ, ग्रामीण आर्थिकी की संभावना और नई संभावनाओं के स्वरोजगार पर केंद्रित होना चाहिए। हमारे स्कूल इतने पारंगत नहीं कि भाषा ज्ञान को व्यावहारिक जीवन के मूल्यों से जोड़ दें। रिटेल मार्केटिंग में रोजगार की संभावनाओं पर ही बच्चों को जमा दो तक निपुण बनाने का पाठ्यक्रम पढ़ाया जाए तो स्कूलिंग से ही दिशा तय होगी। हमारे बच्चों को पिछले कुछ दशकों से विज्ञान की कक्षा में बैठाया तो जा रहा है, लेकिन वैज्ञानिक नजरिया तैयार नहीं हुआ। आगे चलकर कृषि और बागबानी विश्वविद्यालयों में भी वैज्ञानिक नजरिए के बजाय विभागीय नौकरी का चस्का तैयार किया गया। यही वजह है कि हिमाचल स्टार्ट अप और नवाचार के युग में एक मूक दर्शक राज्य है। आज भी हमारी समस्याओं या खुशहाली का पैगाम वैज्ञानिक जीवटता के बजाय सरकारी नौकरी से जुड़ता है। अभी हाल ही में बिलासपुर के हरिमन शर्मा को बागबानी क्षेत्र में पद्मश्री पुरस्कार से नवाजा गया, लेकिन यह उनकी निजी सफलता है। न कोई स्कूल, न कोई कालेज और न ही पालमपुर-सोलन विश्वविद्यालय में यह योग्यता रही या आइंदा होगी कि किसी हरिमन शर्मा को पैदा कर दें। दूसरी ओर भारत की सरकारी सेवाओं में नौकरी के अनेक अवसरों का साइंस से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं, इसलिए हमें अव्वल दर्जे के ऐसे सीनियर सेकेंडरी स्कूल चाहिएं जो इतिहास, भूगोल, इक्रोमिक्स, समाजशास्त्र, फाइन आर्ट्स, थियेटर व इससे मिलते जुलते आर्ट्स के विषय पढ़ा सकें। बच्चे अब डाक्टरी और इंजीनियरिंग की पढ़ाई से ऊब चुके हैं, तो उन्हें स्कूली शिक्षा की अनौपचारिक पृष्ठभूमि में खिलने का मौका मिलना चाहिए यानी बच्चों को लाजिमी तौर पर गीत-संगीत, रंगमंच व खेलों में कुछ समय गुजारने की सुविधा प्रदान हो।

प्रदेश के 66 सीनियर सेकेंडरी स्कूल विज्ञान की प्रयोगशाला में शून्य निकले, क्योंकि हमें साइंस का तमगा दिखाना था। आश्चर्य यह कि हिमाचल में तमगों के लिए विकास और तमगों के इतिहास में बजट का सत्यानाश होता है। ये 66 विज्ञान केंद्र यूं ही बंद नहीं हुए, बल्कि इन्हें हमारी आवश्यकता, हमारे ज्ञान, हमारे सरोकार और हमारे अहंकार ने नकारा है। यही विज्ञान केंद्र केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रांगण में हार रहा है और आइंदा और हारेगा। शिक्षा के यही पहलू बदतमीज व सियासत के खुदगर्ज हैं, जो फुटबाल की तरह इंस्टीच्यूट-इंस्टीच्यूट खेलते हैं। अब तो मेडिकल कालेज हारने लगे और संदेह है तो पूछिए क्यों मेडिकल यूनिवर्सिटी के पंख आहत हैं? क्यों तकनीकी विश्वविद्यालय की आफत में तमाम इंजीनियरिंग कालेज बर्बाद हो चुके हैं, क्यों बीएड कालेज शिक्षा को बेसहारा कर चुके हैं। ये तख्तियां एक दिन ताबूत बनेंगी, कब तक तमन्ना को नकली पोशाक में जिंदा रखोगे। बेशर्मी के मुकाबले में अगले दस साल बाद हो सके तो पूछना कि केंद्रीय विश्वविद्यालय को धर्मशाला से बेदखल करने वालों ने शिक्षा के मकबरे क्यों चिने थे।

महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है

शिक्षा में महत्वपूर्ण बदलाव है अध्यापिकाओं की बढ़ती संख्या

प्रियंका सौरभ

उच्च शिक्षा में केवल 43% संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं।

यूडीआईएसई 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय स्कूल शिक्षकों में अब 53.34 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो शिक्षा में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। उच्च शिक्षा में केवल 43% संकाय महिलाएं हैं, नेतृत्व की भूमिकाओं में उनका प्रतिनिधित्व और भी कम है। शैक्षणिक जगत में लैंगिक समानता अभी भी जड़ जमाये पूर्वाग्रहों, व्यावसायिक बाधाओं और संस्थागत कठिनाइयों के कारण बाधित है। भारत के शिक्षण कार्यबल में महिलाओं के प्रतिशत में वृद्धि शिक्षा की गुणवत्ता, समावेशिता और सामाजिक समानता में आमूलचूल परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करती है। शिक्षणशास्त्र में लैंगिक पूर्वाग्रहों को चुनौती दी जाती है, समावेशी शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है, तथा महिला शिक्षकों द्वारा महिला विद्यार्थियों की संख्या में वृद्धि की जाती है। छात्रों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए, महिला शिक्षक कक्षा में अधिकाधिक भागीदारी और लिंग-संवेदनशील शिक्षण को प्रोत्साहित करती हैं। यूनेस्को की 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं द्वारा संचालित कक्षाओं में समावेशी भागीदारी 20% अधिक होती है। सामाजिक बाधाओं और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को दूर करके, महिला शिक्षकों की उपस्थिति लड़कियों के शैक्षिक अवसरों को बढ़ाती है। महिला शिक्षकों की संख्या में वृद्धि के कारण बिहार की कन्या उत्थान योजना में महिलाओं के नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। लिंग भूमिकाओं, बाल विवाह और मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में बातचीत को सामान्य बनाकर, महिला शिक्षक समानता को बढ़ावा देती हैं। उड़ान योजना के अंतर्गत किशोरियों को महिला शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। महिला शिक्षकों द्वारा भावनात्मक समर्थन देने की संभावना अधिक होती है, जिससे विद्यार्थियों का कल्याण बेहतर होता है। उच्च शिक्षा संकाय पदों में महत्वपूर्ण लैंगिक असमानताएं महिला संकाय सदस्यों के कम प्रतिनिधित्व के कारण होती हैं। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण के अनुसार, शिक्षण पदों पर पुरुषों की संख्या अधिक होने के बावजूद, उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है। आईआईटी और एनआईटी में महिला संकाय का प्रतिनिधित्व अभी भी 20% से कम है, जो प्रतिष्ठित

विश्वविद्यालयों में लैंगिक असमानताओं को दर्शाता है। अकादमिक नेतृत्व में महिलाओं की भूमिका एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर स्तर तक सीमित है, जहां उनका प्रतिशत तेजी से गिरता है। सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में 25% से भी कम पूर्ण प्रोफेसर महिलाएं हैं, जो निर्णयों को प्रभावित करने की उनकी क्षमता को सीमित करता है। भारत के शीर्ष 50 विश्वविद्यालयों में 10% से भी कम कुलपति महिलाएं हैं। सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के कारण, केरल और तमिलनाडु जैसे दक्षिणी राज्यों में महिलाओं की भागीदारी अधिक है, जबकि ग्रामीण और उत्तर भारतीय विश्वविद्यालयों में यह कम है। केरल के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों में आधे से अधिक प्राध्यापक महिलाएं हैं, जबकि बिहार और राजस्थान में यह प्रतिशत 30% से भी कम है। नियुक्ति और पदोन्नति में अचेतन पूर्वाग्रहों के कारण महिलाओं के नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाने की संभावना कम होती है। अकादमिक महिलाओं को प्रायः मार्गदर्शन और मजबूत व्यावसायिक नेटवर्क का अभाव होता है, जो शोध के अवसरों और कैरियर में उन्नति के लिए आवश्यक है। कई महिलाएं घर के कामकाज की दोहरी जिम्मेदारी के कारण अपने करियर में ब्रेक ले लेती हैं, जिसका असर उनकी उन्नति और शोध कार्य की संभावनाओं पर पड़ता है। समान कैरियर उन्नति के अवसर सुनिश्चित करना, लिंग कोटा स्थापित करना, चयन समितियों की निष्पक्षता सुनिश्चित करना तथा स्पष्ट पदोन्नति मानकों को लागू करना, शैक्षणिक नियुक्ति समितियों में 40 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व की अनिवार्यता के द्वारा, जर्मनी का डीएफजी कार्यक्रम अधिक महिलाओं को उच्च शिक्षा में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षाविदों में महिलाओं की मेंटरशिप और नेटवर्किंग अवसरों तक पहुंच बढ़ाना: महिला संकाय सदस्यों को वरिष्ठ शिक्षाविदों के साथ जोड़ने के लिए औपचारिक मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करना, वित्तपोषण के अवसरों, अनुसंधान और नेतृत्व विकास पर सलाह देना। केंद्रित मार्गदर्शन और समर्थन नेटवर्क के मूल्य के प्रमाण के रूप में, अमेरिका का ₹विज्ञान और इंजीनियरिंग में महिलाएं₹ कार्यक्रम नेतृत्व भूमिकाओं में महिलाओं की संख्या बढ़ाने में सहायक रहा है। कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा देना, परिसर में बाल देखभाल सेवाएं प्रदान करना, सवेतन मातृत्व अवकाश बढ़ाना, तथा लचीले कार्यकाल पथ को लागू करना, महिला संकाय सदस्यों को मातृत्व के बाद एक वर्ष का कार्यकाल विस्तार प्रदान करके उनके शोध करियर को जारी रखने में मदद करता है। महिलाओं की प्रशासनिक और शैक्षणिक दृश्यता में सुधार लाने के लिए विशिष्ट वित्तपोषण उपलब्ध कराना तथा उनके लिए नेतृत्व विकास पाठ्यक्रम चलाना, भारत की ₹महिला वैज्ञानिक योजना₹ महिला शोधकर्ताओं को करियर ब्रेक के बाद वित्त पोषण प्रदान करके शिक्षा जगत में वापस लौटने में मदद करती है। उच्च शिक्षा संकाय में महिलाओं की हिस्सेदारी केवल 43% है, जो कक्षा के बाहर उनके प्रभाव को सीमित करता है। आईआईटी और आईआईएम में महिला शिक्षकों का प्रतिशत 20% से भी कम है। यूजीसी का जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूशंस (जीएटीआई) कार्यक्रम महिला संकाय सदस्यों को नेतृत्वकारी पदों पर आसीन होने के लिए प्रोत्साहित करता है। समान वेतन के दिशा-निर्देश स्थापित करें, श्रम कानूनों को अधिक सख्ती से लागू करें तथा अनुबंध शिक्षकों को नियमित करें। निजी शिक्षा में समान पारिश्रमिक अधिनियम 1976 का सशक्त प्रवर्तन आवश्यक है। परिसर में सुरक्षा प्रोटोकॉल, परिवहन विकल्प और शिकायत प्रक्रिया को बेहतर बनाएं। शैक्षणिक संस्थानों में महिला सुरक्षा उपायों की स्थापना को निर्भया फंड (2013) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। लिंग-संतुलित शिक्षण स्टाफ प्रारंभिक शिक्षा में स्त्रीकरण को कम करेगा और देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों को सामान्य बनाएगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा में, फिनलैंड और स्वीडन पुरुषों की भर्ती को आक्रामक रूप से प्रोत्साहित करते हैं।

दृष्टि कोण

पेंशनरों की पुकार सुने प्रदेश सरकार

अपनी जिंदगी का एक लंबा वक्फा राज्य द्वारा निर्धारित कार्यों के निर्वहन में गुजारने और पारिवारिक जिम्मेदारियों को पूरा करते-करते सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी कर्मचारी अपनी व्यस्तताओं के चलते अधूरे रह गए अरमानों, इच्छाओं और सपनों को पूर्ण होते देखना चाहता है। जाहिर है कि बच्चों को पढ़ाना, घर बनाना, उनकी शादियां करने और सामाजिक कार्यों में भागीदारी के बाद कई पेंशनर्स के पास इतना पर्याप्त फंड नहीं रहता है कि खुलकर खर्च कर सके, घूम फिर सके, ऊपर से यदि नियमित पेंशन और बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता आदि न मिले तो मन मसोस कर रह जाना पड़ता है। यही सब कुछ आजकल हिमाचल प्रदेश के पेंशनर्स के साथ हो रहा है। पिछली जयराम सरकार ने सेवारत कर्मचारियों और पेंशनर्स को वेतन आयोग के एरियर्स और वित्तीय लाभों से वंचित रखा तो अब आर्थिक कमी का सामना कर रही सुक्खू सरकार के समक्ष भी पिछले एरियर्स और महंगाई भत्तों की देनदारियां कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए आर्थिक तंगी का कारण बनी हुई हैं जिसके कारण वे अपनी खुशियां शौक पूरे नहीं कर पा रहे हैं। इसी बीच स्टेट पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने 7 मार्च 2025 के बाद ब्लॉक स्तर से लेकर राज्य स्तर तक धरना-प्रदर्शन और आमरण अनशन करने और पेंशनर्स के रुके हुए लाभों को जारी करवाने के लिए प्रदेश में संघर्ष करने की चेतावनी जारी की है। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष रवींद्र जरयाल का कहना है कि सरकार के पास पेंशनर्स के एरियर्स पेंडिंग पड़े हैं और कर्मचारी एवं सेवानिवृत्त पेंशनर्स व्यथित हैं। वहीं जिलाध्यक्ष सुरेश ठाकुर कहते हैं कि जब एक टर्म के विधायक को भी पेंशन सहित सारी सुविधाएं दी जा सकती हैं तो वर्षों प्रदेश की सेवा करने वाले पेंशनर्स के देय लाभों पर सरकार क्यों कुंडली मारकर बैठी है? दूसरी तरफ इस बार भी एचआरटीसी के पेंशनरों को पेंशन के लिए इंतजार करना पड़ा है। एचआरटीसी ने पेंशन के लिए 21 करोड़ रुपए का इंतजाम किया है। हर महीने उसे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को देने के लिए इतनी ही राशि की जरूरत रहती है। परिवहन निगम खस्ता वित्तीय हालात से जूझ रहा है। सरकार से यदि उसे हर महीने ग्रांट न मिले तो कर्मचारियों को न तो वेतन ही दिया जा सकता है और न ही पेंशन का इंतजाम हो पाएगा। रिटायर होने वालों के पेंशनरी बेनिफिट भी नहीं मिल पा रहे हैं। इसके साथ नाइट ओवर टाइम का लाखों रुपया रुका हुआ है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री के धर्मशाला प्रवास के दौरान जिला कांगड़ा राज्य पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को सौंपे अपने ज्ञापन में पेंशनर्स की जेसीसी बैठक बुलाने, एजी कार्यालय शिमला में पेंशनर्स के संशोधित मामलों का तुरंत निपटारा करने, पे मैट्रिक्स के 50 फीसदी और 30 फीसदी के हिसाब से वित्तीय लाभ देना, कम्युटेशन अवधि को 15 साल से घटाकर 10 वर्ष करना, डीए की बकाया किस्तों और एरियर्स और मेडिकल बिलों के भुगतान की त्वरित आवश्यकता पर बल देते हुए पेंशनर्स को दरपेश आ रहीं समस्याओं के समाधान की मांग राज्य सरकार से की है। हिमाचल सरकार के वित्त विभाग के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2030-31 में हिमाचल में पेंशनर्स की संख्या 2 लाख 38 हजार 827 हो जाएगी। उस समय राज्य सरकार को उनकी पेंशन पर सालाना 19628 करोड़ रुपए खर्च करने होंगे। यानी एक महीने में 1635 करोड़ रुपए से अधिक की रकम की जरूरत होगी। इसे आज के हिसाब से देखें तो अभी से दोगुना खर्च पेंशन की मद में होगा। नए वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद संशोधित वेतनमान व ओपीएस के कारण अब राज्य सरकार के खजाने पर सैलरी व पेंशन का बिल 59 प्रतिशत बढ़ा है। हिमाचल सरकार के समक्ष कुछ आर्थिक दुश्वारियां भी मुंहबाए खड़ी हुई हैं, जैसे 14वें वित्त आयोग में राजस्व घाटा अनुदान के तहत 40624 करोड़ रुपए मिले थे जबकि 15वें वित्त आयोग में यह रकम कम होकर 37199 करोड़ रह गई। साल दर साल यह आरडीजी रकम घटती जाती है, लिहाजा अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 में सिर्फ 3257 करोड़ मिलेंगे। जून 2022 से प्रदेश की जीएसटी प्रतिपूर्ति राशि बंद हो गई है। पहले जीएसटी प्रतिपूर्ति राशि में 3000 करोड़ मिल रहे थे। एनपीए की 1760 करोड़ की मैचिंग ग्रांट भी बंद हो गई है। केंद्र ने राज्य सरकार द्वारा लोन लेने की सीमा 5500 करोड़ रुपए घटा दी है। जुलाई 2023 में आई भीषण प्राकृतिक आपदा से राज्य के 12 हजार करोड़ तबाह हुए थे। हिमाचल सरकार अपने तीसरे बजट से पहले उपमुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बनी रिसोर्स मोबिलाइजेशन कमेटी की रिपोर्ट का इंतजार भी कर रही है ताकि आर्थिक हालात को अनुकूल बनाने की जुगत लगाई जा सके।

कुछ अलग

जनगणना की बेला

देश के गदहे क्षुब्ध हैं, कि पशु गणना विभाग ने उनकी गिनती कम कर दी है। इतना ही क्यों, गदहों की मंडी में अब उनका मोल भी कम मिलने लगा है। हम उनकी चिंता से बहुत चिंतित हैं। आजकल तैयारी तो जनसंख्या गिनने की हो रही है। देश की जनगणना के आंकड़ों को एकत्र करके प्रसारित करने की तिथि तो कब की निकल गई। तैयारी क्या करनी है? बड़ी आसानी से यह काम छोटे-बड़े स्कूलों के अध्यापकों के हवाले कर दिया जाएगा। अब बच्चे सरकारी स्कूलों के बाहर अपने बस्ते लहराते हुए यह गाना गाते हुए नजर नहीं आते कि 'अद्धी छुट्टी सारी, मियां मक्खी मारी।' अब जब स्कूलों में छुट्टियां ही छुट्टियां रहें और अध्यापक महोदय कान पर कलम लगा कर छात्रों की कापियां सुधारते नहीं, बल्कि फार्म उठा कर घरों के द्वार पर दस्तक देते नजर आएं, कि 'कितने जीव हैं परिवार के?' तो बच्चों को भला अपने स्कूलों में मक्खियों से मुलाकात करने के लिए आने की जरूरत क्या है? कक्षाओं में झांक कर देखें, वहां आपसे अध्यापकों की खाली कुर्सियों की आत्मा बतियाने लगती है। वे भाग्यवान स्कूल बहुत कम हैं, जहां बड़ी कक्षा का लडक़ा छोटी कक्षाओं का मानीटर और मास्टर दोनों बन जाता है। वैसे भी अब यह काम कठिन होता जा रहा है, क्योंकि जबसे छात्रों की योग्यता की गुणवत्ता रिपोर्ट सामने आई है, कि देश में आठवीं में पढऩे वाला लडक़ा अच्छी तरह से दूसरी-तीसरी कक्षा के स्तर का गुणा-भाग भी नहीं कर सकता, तब से उसे भला इन कक्षाओं का स्थानापन्न अध्यापक बनाओगे भी तो कैसे? उधर जनगणना ड्यूटी के लिए तैयार होते अध्यापक देखो तो वे बड़े दुख से कहते हैं, 'अजी साब, इस देश की हर नौकरी ऐसी है जिसमें लगे लोगों को भरपूर बालाई आमदन हो जाती है। एक अपना ही पेशा ऐसा हैए, जिसमें शब्द बालाई का प्रयोग आमदन के साथ नहीं, किसी अतिरिक्त काम से जुड़ा हुआ होता है। कभी वोटर लिस्टें बनवाते हैं। कभी वोटें डलवाने वाले अमले का रूप धरवाते हैं। अब तो सुना है, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, गरीबी कार्ड सही है या गलत भी चेक करवाएंगे।' ये रंग-बिरंगे काम करते हैं। बस कक्षाओं में पढ़ाने का काम ही नहीं कर पाते। लगता है हम तो भूलते ही जा रहे हैं, किस पेशे में लगे थे। हमारे लिए हर दिन नए काम की तजवीज हो जाती है। हम हंसते-रोते हर नया काम संभालते हैं और उसे संभालते हुए जो आक्रोश भरी उलटी-सीधी आवाजें हम निकालते हैं, उसे आप व्यर्थ-राग कह देते हैं। लेकिन जाने क्यों जब इनसानों को गिनने वाला विभाग हमारे इलाके में अवतरित हुआ तो उसने गिनती करते हुए हमें क्यों छोड़ दिया। कहीं ऐसा तो नहीं कि कामों, अनुदानों और भेंट पुरस्कारों का बंटवारा गलत लोगों और गलत विभागों में करने की आदत हो गई है। एक पुराना फिल्मी गाना था, 'जाते थे जापान पहुंच गए चीन', समझ गए। लेकिन बड़ी चिंता यही है कि यहां सचमुच गदहों की संख्या घटती और उनका मूल्य कम होता नजर आ रहा है, क्योंकि सरकार इस तरह की गदहागिरी करने वालों को इनकी प्रजाति में शामिल करके अपने खाते को नहीं बिगाडऩा चाहती। सही भी है, नकाबें उतर जाएंगी तो रात की कालिख से भद्रजन कहलाने वालों के चेहरे पहचान में नहीं आएंगे। सरकारी बाबुओं ने तो चाहा कि केन्द्र का फसल खरीद का पैसा और काम में इस्तेमाल कर लिया है, तो अब केन्द्र सरकार उसे कर्ज कह कर माफ कर दे। बड़ी सरकार नहीं मानी तो छोटी सरकार ही कैसे मान लेती कि गदहा बनते लोगों को भी गदहों की गिनती में शामिल करके वास्तविकता सामने रख दी जाए। ऐसा कर देते तो दूध का दूध और पानी का पानी न हो जाता।

देश दुनीया से

अमेरिकी नीतियों से यूरोपीय बेचैनी की तार्किकता

सवाल है कि यूरोपीय लोग हक्के-बक्के क्यों हुए, तो इसके लिए यूरोप के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यवहार के पिछले सौ सालों का इतिहास को बांचना पड़ेगा, जो बताता है कि अमेरिका ने सदा अपने 'निज हित' में काम किया है, जिसे वह अपनी सुविधा के अनुसार जब चाहे 'अमेरिकी अपवाद-वाद' के रूप में वर्णित करता है। प्रथम विश्व युद्ध 28 जुलाई, 1914 को शुरू हुआ था, जिसकी शुरुआत ऑस्ट्रो-हंगेरियन साम्राज्य के युवराज आर्कड्यूक फ्रांज़ फर्डिनेंड और उनकी पत्नी सोफी की हत्या से हुई थी, जो एक बोस्नियाई सर्ब व्यक्ति द्वारा की गई थी। हालांकि, यह एक यूरोपीय युद्ध था, जिसमें ब्रिटेन, फ्रांस और रूस का ट्रिपल एंटेंटे नामक गठजोड़ ऑसट्रिया-हंगरी, जर्मनी और इटली वाले ट्रिपल एलायंस से लड़ा, और पहले वाले गुट ने अमेरिकियों को अपना साथ देने का अनुरोध किया। जैक सोनियन विचारधारा वाले सीनेटरों द्वारा अड़ंगा लगाने से राष्ट्रपति वुडरो विल्सन के नेतृत्व वाले संयुक्त राज्य अमेरिका ने इसे यूरोपीय राजशाहियों के बीच युद्ध मानकर पहले इसका हिस्सा बनने से इनकार कर दिया था। लेकिन इसके केवल ढाई साल बाद, 7 अप्रैल, 1917 को, संयुक्त राज्य अमेरिका ने जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी, क्योंकि जर्मनों ने उत्तरी अटलांटिक महासागर में अपने अप्रतिबंधित पनडुब्बी युद्ध का दायरा बढ़ा दिया, जिससे अमेरिकियों को भारी जानी-माली नुकसान हो रहा था। इसमें एक अतिरिक्त उत्प्रेरक रहा, तत्कालीन जर्मन विदेश मंत्री आर्थर ज़िमरमैन द्वारा प्रेषित एक संदेश, जिसे बाद में कुख्यात 'ज़िमरमैन टेलीग्राम' का नाम मिला। इसमें मैक्सिकन सरकार से वादा किया गया कि जर्मनी मैक्सिको को वह क्षेत्र वापस पाने में मदद करेगा, जो वह 1846-1848 के मैक्सिकन-अमेरिकी युद्ध के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका को हार चुका था। इस सहायता के बदले में, जर्मनी ने युद्ध में मैक्सिको का समर्थन मांगा। यह कहना राष्ट्रपति जेम्स मोनरो और उनके विदेश मंत्री जॉन क्विंसी एडम्स द्वारा परिकल्पित उस 'मोनरो सिद्धांत' से सीधा टकराव था, जिसे 2 दिसंबर, 1823 को अमेरिकी संसद को मोनरो के संबोधन के दौरान व्यक्त किया गया था। इसमें कहा गया कि पश्चिमी गोलार्ध का इलाका, खासकर अमेरिकी महाद्वीप की तरफ, संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रभाव क्षेत्र है और यूरोपियनों को हमारे इस विशेषाधिकार वाले क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का कोई अधिकार नहीं है। इस प्रकार, जब केवल अपने हितों पर खतरा बनता देखा, तभी संयुक्त राज्य अमेरिका यूरोपीय युद्ध में दाखिल हुआ। लीग ऑफ नेशन्स में 28 जून 1919 को राष्ट्रपति विल्सन की पहलकदमी से बनी 'वर्सायलेस की संधि' टूट गई, जब फरवरी 1933 में जापानियों ने किनारा कर लिया और इसके आठ महीने बाद जर्मनी भी पीछे हट गया, तब संयुक्त राज्य अमेरिका एक बार फिर से अलग-थलग पड़ गया, जबकि एडोल्फ हिटलर और उसके नाज़ियों ने 1938 के बाद से यूरोप के इलाके और देशों को हड़पते गए, जिसकी शुरुआत उसी वर्ष मार्च में ऑसट्रिया का एंस्क्लस कब्जाने से हुई। यहां तक कि जब 1940 के मई से नवंबर माह के बीच ग्रेट ब्रिटेन अपने सबसे बुरे वक्त में अकेला खड़ा था, तब भी राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने 1939 के तटस्थता अधिनियम और 1934 के जॉनसन अधिनियम का हवाला देते हुए उसकी मदद करने में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी। हालांकि बाद में कुछ नवीन तरीके खोजे गए, जब द्वितीय विश्व युद्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका को औपचारिक रूप से प्रवेश 7 दिसंबर, 1941 को पर्ल हार्बर पर हुए जापानी हमले के बाद करना पड़ा। जापान के खिलाफ युद्ध शुरू करने की घोषणा 8 दिसंबर 1941 को ही की गई थी। तीन दिन बाद जब जर्मनी और इटली ने भी 11 दिसंबर 1941 को अमेरिका के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी, तब जाकर इसने भी जवाबी ऐलान किया। निष्कर्ष यह है, बहुत संभव है कि जब यूरोप गेस्टापो और शुट्ज़स्टाफेल के गुंडों के अधीन कराह रहा था, तब भी अमेरिका ने तटस्थता बनाए रखी होती अगर जापानियों ने उसपर हमला न किया होता। आगे कुछ दशकों बाद, एक दशक तक चली लड़ाई के बाद, अमेरिका को 30 अप्रैल, 1975 को वियतनाम से वापसी करनी पड़ी, एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक खर्च होने और 58,000 से अधिक का जानी नुकसान करवाने के बाद उसने दक्षिण वियतनाम में अपना सैन्य अभियान समाप्त किया। यह एक और उदाहरण है कि कैसे बदला हुए घरेलू माहौल इसकी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर भारी पड़ा। वहां इस लड़ाई में अमेरिका का साथ देने वाले दक्षिण वियतनामी लोगों में अधिकांश को उत्तरी वियतनामी 'साथियों' के रहमो-करम पर छोड़कर वे निकल आए। इसी प्रकार, इस झूठे आधार पर कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार हैं, नौ साल वहां युद्ध चलाने के बाद 18 दिसंबर 2011 को अमेरिका उस देश से बाहर निकला। इसके तुरंत बाद इराक और सीरिया के इलाके में इस्लामिक स्टेट या आईएसआईएस का उदय हुआ। इराक का युद्ध, जिसमें दस लाख अमेरिकी फौजी सैन्य अभियान का हिस्सा थे, इससे अमेरिकी खजाने को 2.9 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की चपत लगी और कुल 4,61,000 लोग मारे गए। दो दशक बाद भी यह स्पष्ट नहीं है कि उस हस्तक्षेप की असल वजह क्या थी? इसी तरह अगस्त, 2021 में अफ़गानिस्तान से अमेरिका की वापसी हुई और वह देश उसी तालिबान को सौंप दिया, जिसको उसने 2001 में खदेड़ा था। यह दो दशकों तक वहां किए निवेश की बर्बादी थी जिसके जरिये लोकतांत्रिक मूल्यों व मानवाधिकारों की रक्षा का लक्ष्य था। यह पलायन भी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं पर भारी पड़े घरेलू एजेंडे का नवीनतम उदाहरण था। अफ़गान युद्ध में अमेरिका को 2.313 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हुआ और कुल 2,43,000 लोग मारे गए। अब जबकि डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के मामले में अपना रुख पूरी तरह बदल लिया है, तो यूरोपियन क्योंकर अपने छद्म आक्रोश में उद्वेलित हों। सदियों तक खुद साम्राज्यवादी रहने और लड़ाई के आदी होने के कारण उन्हें यह अच्छी तरह पता होना चाहिए था कि किसी और के बंदरगाह में जबरदस्ती डाला आपका लंगर सुरक्षित नहीं रह सकता।

आप का नजरीया

कैग 'वारंट' नहीं

दिल्ली अद्र्धराज्य की नई भाजपा सरकार नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रपटों पर बहुत फुनफुना रही है। ऐसा आभास दिया जा रहा है कि इधर कैग रपटों को विधानसभा में पेश किया जाएगा, उधर प्राथमिक विश्लेषण के बाद पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा। जनता और नौसीखिया मीडिया को इतना भ्रमित न करें। कैग की रपट सदन में पेश करना एक संवैधानिक बाध्यता है। यह सिर्फ सरकारी हिसाब-किताब की व्यवस्था है कि सरकार ने खर्च ठीक किए अथवा आनुपातिक तौर पर गलत किए गए। सरकार के आर्थिक फैसलों और कामकाज में क्या अनियमितताएं हैं, कैग उन पर सवाल उठा सकता है, लेकिन कैग का काम घाटा, नुकसान आदि बताना नहीं है और न ही वह घूस, भ्रष्टाचार आदि का उल्लेख कर सकता है। यह अन्य एजेंसियों का संवैधानिक दायित्व है। कैग की रपट कोई अदालती वारंट भी नहीं है कि पिछली सरकार के मुख्यमंत्री और मंत्रियों को जेल में डाला जा सके। यदि ऐसा होता, तो महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात सरीखे राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री समेत केंद्रीय वित्त मंत्री भी जेल में होने चाहिए थे। कैग ने उन पर भी गड़बडिय़ों या ज्यादा, फिजूलखर्ची के सवाल उठाए हैं। दिल्ली की नई-नवेली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शराब घोटाले से जुड़ी कैग की रपट विधानसभा में पेश की है। अभी 13 और रपटें हैं, जिन्हें पेश किया जाना है। उनमें 6 रपटें ऐसी बताई जाती हैं, जो करीब 500 दिनों से धूल फांक रही हैं, क्योंकि उन्हें सदन में पेश नहीं किया गया। केजरीवाल और आतिशी सरकार ने यह महत्वपूर्ण संवैधानिक गलती की है। कैग केंद्र सरकार सहित सभी राज्यों के खर्च का 'ऑडिट' करता है। यह संवैधानिक जनादेश है, लेकिन यह सिर्फ हिसाब-किताब की समीक्षा भर है। हमने कैग की रपटों को संसद के गलियारों और उनके बाहर रद्दी की तरह पड़े देखा है। संसद में इन रपटों पर बहस देखना-सुनना तो वाकई दुर्लभ रहा है। जरा याद करें, कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान की कैग रपटें और तत्कालीन प्रमुख विनोद रॉय के सनसनीखेज खुलासे! वह जब भी कुछ खुलासे करते, तो 1.78 लाख करोड़ रुपए तक के 2जी स्पेक्ट्रम, कोयला खदान आवंटन, राष्ट्रमंडल खेल, पनडुब्बी खरीद सरीखे घोटालों की बौछार होती थी। अखबारों में 8 कॉलम की बैनर खबरें छपती थीं। वामदलों और भाजपा ने संसद के भीतर और बाहर कोहराम मचा रखा था। बेशक तत्कालीन संचार मंत्री ए. राजा और द्रमुक मुख्यमंत्री करुणानिधि की सांसद-बेटी कनिमोझी आदि कुछ नेताओं की गिरफ्तारियां जरूर हुईं, लेकिन कुछ समय बाद अदालत ने उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया। अंततः वे कैग रपटें 'खोदा पहाड़, निकली चुहिया, वो भी मरी हुई' साबित हुईं। तत्कालीन कैग प्रमुख विनोद रॉय ने जो गंभीर गलतियां की थीं, उन्हें एक बार फिर दोहराया जा रहा है। केजरीवाल सरकार की शराब नीति और कथित घोटाले का मुद्दा अदालत के विचाराधीन है। सर्वोच्च अदालत ने तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, राज्यसभा सांसद संजय सिंह आदि को पूर्ण जमानत पर रिहा किया हुआ है। केजरीवाल, सिसोदिया आदि के लिए चोर, लुटेरे, बर्बाद, घोटालेबाज आदि शब्दों का प्रयोग अनैतिक है।

एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 12वें क्षेत्रीय 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम की मेजबानी के लिए जयपुर तैयार

जयपुर (हिंस)। एशिया और प्रशांत क्षेत्र के 12वें क्षेत्रीय 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम की मेजबानी के लिए जयपुर पूरी तरह तैयार है। यह फोरम 3 से 5 मार्च 2025 तक राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया जाएगा। *एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सतत विकास के लक्ष्यों और कार्बन तटस्थता प्राप्त करने की दिशा में सर्कुलर सोसायटियों को आकार देना* संबंधी विषय पर केंद्रित यह कार्यक्रम सर्कुलर इकोनॉमी से जुड़े प्रयासों को आगे बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए वैश्विक नेतृत्व और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक साथ लाएगा। फोरम में संपूर्ण सत्रों के आयोजन सहित देशों पर आधारित विशिष्ट चर्चाएं, थीम-आधारित राउंडटेबल सम्मेलन, साथ ही अनुभव साझा करने के लिए नॉलेज-शेयरिंग और नेटवर्किंग के अवसर भी शामिल होंगे। प्रतिनिधियों को जयपुर में प्रमुख ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं के साथ-साथ पुरातन स्थलों के दौरे का भी अवसर मिलेगा। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने बताया कि यूएनसीआरडी द्वारा 2009 में शुरू किए गए क्षेत्रीय 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी फोरम का उद्देश्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सरकारी अधिकारियों को 3 आर (रिड्यूस, रीयूज, रीसाइकिल करना) और सर्कुलेरिटी को मुख्यधारा में लाने के लिए रणनीतिक नीतिगत इनपुट प्रदान करना है। साथ ही, यह फोरम 3आर में सर्वोत्तम प्रयासों को प्रसारित करने और सभी के साथ साझा करने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करेगा। पिछला फोरम 2023 में कंबोडिया द्वारा आयोजित किया गया था। भारत ने इससे पहले 2018 में फोरम की मेजबानी की थी, जब इसका 8वां संस्करण इंदौर में आयोजित किया गया था। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने बताया कि 12वें क्षेत्रीय फोरम का एक महत्वपूर्ण सकारात्मक परिणाम *जयपुर डिक्लेरेशन* होगा, जिसे समापन के दिन अपनाया जाएगा। 2025-34 की अवधि के लिए इस दशकीय घोषणा का उद्देश्य, इस फोरम में शामिल होने वाले देशों को 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी संबंधी नीतियों और उससे जुड़े कार्यक्रमों को विकसित करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करना होगा। यह एक *लीनियर टेक-मेक-डिस्पोज इकोनॉमी से एक सर्कुलर इकोनॉमी* में परिवर्तन लाने में सभी को सक्षम बनाएगा। जयपुर डिक्लेरेशन, हनोई डिक्लेरेशन (2013-23) पर आधारित है और यह स्वैच्छिक व कानूनी रूप से गैर-बाध्यकारी समझौता है। सम्मेलन का कर्टेन रेजर 24 फरवरी 2025 को नई दिल्ली में केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने किया। उन्होंने यह भी बताया कि 12वें फोरम की एक और खास विशेषता *इंडिया पैवेलियन* है, जो 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय पहलों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करेगा। इस पैवेलियन में 15 प्रमुख मंत्रालयों और राष्ट्रीय मिशनों की प्रदर्शनियां होंगी, जो सतत विकास के लिए भारत के समग्र सरकारी दृष्टिकोण को दर्शाती हैं। यह *मंत्री-स्तरीय संवाद, महापौर संवाद* और *नीति संवाद* जैसे सत्रों के साथ इंटरैक्टिव नॉलेज-शेयरिंग के लिए एक केंद्र के रूप में भी काम करेगा। राजस्थान सरकार में नगरीय विकास विभाग एवं स्वायत्त शासन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा ने बताया कि उनका विभाग फोरम की तैयारियों में सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। विभाग तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान विभिन्न सत्रों में भी भाग लेगा। उन्होंने यह भी बताया कि जयपुर की 11 केस स्टडीज भी 3आर और सर्कुलर इकोनॉमी पर 100 सर्वश्रेष्ठ अभ्यास पुस्तिका के संग्रह का हिस्सा हैं। इस पुस्तिका का विमोचन फोरम के दौरान किया जाएगा। 12वें क्षेत्रीय फोरम का नेतृत्व आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के स्वच्छ भारत मिशन-शहरी द्वारा जापान के पर्यावरण मंत्रालय, यूएन एस्केप, यूएनसीआरडी, यूएनडीएसडीजी और यूएनडीईएसए के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें राजस्थान सरकार की सहयोगी भूमिका निभा रही है। राजधानी जयपुर में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय सम्मेलन में 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू प्रतिभागियों के भाग लेने की उम्मीद है। जयपुर के लोगों को इस अंतर्राष्ट्रीय फोरम में शामिल करने और सामुदायिक स्तर पर 3आर और सर्कुलर प्रयासों को प्रेरित करने के लिए, शहर के प्रमुख स्थानों पर इंटरैक्टिव गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। छात्रों सहित अन्य इच्छुक लोग भी ऑनलाइन फोरम में शामिल हो सकेंगे और तीनों दिनों में उच्च स्तरीय चर्चाओं से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

प्रदेश की भौगोलिक स्थिति एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर गो अभयारण्य की स्थापना का निर्णय लिया जाएगा : गोपालन मंत्री

जयपुर (हिंस)। गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गुरुवार को विधानसभा में कहा कि मध्य-प्रदेश व उड़ीसा की तर्ज पर प्रदेश में गौ अभयारण्य स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा इन राज्यों से आवश्यक जानकारी एकत्र की जा रही है। परीक्षण के पश्चात प्रदेश की भौगोलिक स्थिति के अनुरूप वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता अनुसार इस संबंध में निर्णय लिया जाएगा। गोपालन मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018-19 में तत्कालीन राज्य सरकार द्वारा बीकानेर जिले के नापासर ग्राम में 5 करोड़ रुपए की लागत से गौ अभ्यारण्य स्थापित करने की घोषणा की गई थी। इस गौ अभ्यारण्य की स्थापना के लिए राज्य सरकार द्वारा 5 करोड़ रुपए एवं एमओयू की सहभागी संस्था द्वारा भी 5 करोड़ रुपए की राशि दिए जाने का प्रावधान किया गया था। उन्होंने बताया कि निदेशालय गोपालन द्वारा इस संबंध में दिशानिर्देश जारी कर जिला कलेक्टर बीकानेर की अध्यक्षता में जिला गोपालन समिति द्वारा गौ अभयारण्य के प्रबंधन के लिए श्री सोहनलालजी बुलादेवीजी ओझा गौशाला समिति नापासर, बीकानेर का चयन किया गया था। तत्पश्चात जिला कलेक्टर, बीकानेर एवं इस समिति के मध्य एमओयू किया गया। राजस्व ग्रुप 3 द्वारा गौ अभयारण्य के लिए 221.31 हेक्टेयर चरागाह भूमि प्रदान की गई। लेकिन संस्था द्वारा अनुबंध की शर्तों की पालना नहीं किये जाने के कारण वर्ष 2020 में तत्कालीन सरकार द्वारा एमओयू निरस्त करने के निर्देश दिए गए। कुमावत ने बताया कि प्रदेश में कुल 1 करोड़ 39 लाख गौवंश हैं। निराश्रित गौवंश के संरक्षण एवं संधारण के लिए प्रदेश में 4 हजार 140 पंजीकृत गौशालाएं हैं। राज्य सरकार द्वारा इन पात्र गौशालाओं को गौवंश के भरण-पोषण के लिए बड़े गौवंश को 44 रुपए एवं छोटे गौवंश को 22 रुपए का अनुदान दिया जाता है। इस वर्ष के बजट में यह अनुदान 15 प्रतिशत बढ़ाकर बड़े गौवंश को 50 रुपए एवं छोटे गौवंश को 25 रुपए करने की घोषणा की गई है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 में 21 फरवरी, 2025 तक 1147 करोड़ रूपये का अनुदान जारी कर दिया गया है। गोपालन मंत्री ने जानकारी दी कि गौवंश के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में अनेकों गौशालाएं भी संचालित की जा रही है। राज्य सरकार द्वारा जिला स्तरीय 15 गौशालाओं में 6 करोड़ 75 लाख के कार्य, पंचायत समिति स्तर की 95 गौशालाओं में 49.47 करोड़ के कार्य करवाए गए हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत स्तर पर संचालित पशु आश्रय स्थल योजना के तहत 10 गौशालाओं में 4 करोड़ के कार्य करवाए गए हैं। उन्होंने बताया कि गौशाला विकास योजना के तहत भी 455 गौशालाओं में 26.16 करोड़ के कार्य करवाए गए हैं। इसके साथ ही गौ-काष्ठ मशीन योजनान्तर्गत प्रदेश की 100 गौशालाओं को रियायती दरों पर गौ-काष्ठ मशीनें उपलब्ध करवाई जा रही हैं। इससे पहले विधायक कालीचरण सराफ के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में गोपालन मंत्री ने कहा कि वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा मध्य-प्रदेश व उड़ीसा की तर्ज पर प्रदेश में गौ अभयारण्य स्थापित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

राजस्थान विधानसभा में गतिरोध खत्म, नेता प्रतिपक्ष ने मांगी माफी

जयपुर (हिंस)। राजस्थान विधानसभा में पिछले सात दिनों से जारी गतिरोध गुरुवार को समाप्त हो गया। इसके साथ ही कांग्रेस के निलंबित छह विधायकों को भी बहाल कर दिया गया है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने डोटासरा की विवादित टिप्पणी के लिए माफी मांगते हुए कहा कि गोविंद सिंह डोटासरा की टिप्पणी आसन की गरिमा के अनुकूल नहीं थी। इसके लिए मैं खेद प्रकट करता हूं और इसमें मुझे कोई संकोच नहीं है। जूली ने कहा कि इंदिरा गांधी पर मंत्री द्वारा की गई व्यंग्यात्मक टिप्पणी के बाद विवाद बढ़ा था। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को धन्यवाद दिया कि उन्होंने गतिरोध खत्म करने के लिए पहल की। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि यदि यह वार्ता चार दिन पहले हो जाती तो कांग्रेस विधायकों को सदन में धरना नहीं देना पड़ता। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना सभी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सदन चलाना सत्ता और विपक्ष दोनों की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें सोच-समझकर ही अपने विचार व्यक्त करने चाहिए। मैं स्पीकर से अनुरोध करता हूं कि मंत्री द्वारा की गई टिप्पणी को सदन की कार्यवाही से हटाने पर विचार करें। इससे पहले गतिरोध के चलते कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा नहीं लिया और बाहर धरने पर बैठ गए। उन्होंने समानांतर विधानसभा भी लगाई, जिसमें कांग्रेस विधायक घनश्याम मेहर को स्पीकर की भूमिका दी गई और विधानसभा कार्यवाही की नकल की गई।

बीएसएफ ने भारत पाकिस्तान सीमा से पकड़े दो ड्रोन और हथियार

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर सर्च अभियान चलाकर तीन अलग-अलग स्थानों से ड्रोन और हथियार बरामद किए गए हैं। बीएसएफ द्वारा यह आपरेशन बुधवार रात चलाया गया। बीएसएफ के अनुसार, अमृतसर के गांव बल्लड़वाल में सीमावर्ती क्षेत्र के खेतों से एक काले रंग का बैग बरामद किया गया। इसमें तुर्किए में बनी दो पिस्तौल, चार मैगजीन थी। बीएसएफ की अन्य टीम ने गांव खानवाल के खेतों से चीन निर्मित एक ड्रोन बरामद किया। सीमावर्ती गांव दाउके से भी एक ड्रोन बरामद किया गया। आशंका जताई जा रही है कि यह पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय सीमा में कुछ नशीले पदार्थ लेकर आए थे। उन्हें यहां सक्रिय तस्कर ले गए। इस बरामदगी के बाद बीएसएफ ने सीमावर्ती गांवों में सर्च आपरेशन शुरू किया है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की गई है।

फतेहाबाद में पक्षियों के लिए बनाया रैन बसेरा

फतेहाबाद (हिंस)। शहर के साथ लगते गांव मताना में श्री कृष्ण प्रणामी पक्षी रैन बसेरा का उद्घाटन अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया द्वारा किया गया। गुरुवार को यह कार्यक्रम संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज के सानिध्य में संपन्न हुआ। इस रैन बसेरे का निर्माण 10 लाख रुपए की लागत से किया गया, जिसका संपूर्ण व्यय समाजसेवी देवी दयाल तायल द्वारा वहन किया गया। रैन बसेरा पक्षियों के संरक्षण और देखभाल के लिए भी एक अनूठी पहल है। इस सामाजिक सेवा के लिए देवी दयाल तायल के योगदान की सभी ने सराहना की। संत शिरोमणि स्वामी सदानंद जी महाराज ने अपने आशीर्वचन में कहा कि यह रैन बसेरा सेवा और जीवों के कल्याण का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने समाज के अन्य लोगों से भी ऐसे परोपकारी कार्यों में सहयोग करने की अपील की। अतिरिक्त उपायुक्त अनुराग ढालिया ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सामाजिक योजनाएं समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह रैन बसेरा समाज में सेवा व समर्पण की भावना को और अधिक प्रबल करेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों को सम्मानित किया गया और रैन बसेरे के सफल संचालन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम में एडीसी सहित अन्य अतिथियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण भी किया। इस अवसर पर समाजसेवा व जनकल्याण की भावना से प्रेरित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में विनोद तायल, अशोक भूकर, सरपंच दलबीर सिंह, इंदर, बाली मित्तल सहित कई अन्य प्रमुख लोग शामिल हुए।

जासूसी के आरोप में ई-मित्र संचालक और रेलवे में कार्यरत एक व्यक्ति हिरासत में

बीकानेर (हिंस)। जिले के महाजन कस्बे में सीआईडी जयपुर से आई विशेष शाखा की टीम ने स्थानीय ई-मित्र संचालक और रेलवे में कार्यरत एक व्यक्ति को जासूसी के आरोप में हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार टीम महाजन पहुंचकर सीधे ई-मित्र संचालक के घर पर दबिश दी और टीम ने न केवल दस्तावेज और इलेक्ट्रोनिक उपकरणों की जांच की बल्कि संचालक को हिरासत में लेकर अपने साथ ले गई। सूत्रों के अनुसार दीपक नाम युवक पर हुई इस कार्रवाई का संबंध किसी बड़े साईबर क्राइम, जासूसी नेटवर्क से हो सकता है। ई-मित्र केंद्रों का इस्तेमाल कई बार फर्जी दस्तावेज तैयार करने, साईबर अपराध और बैंकिंग धोखाधड़ी के लिए किया जाता रहा है। वहीं रेलवे कर्मचारी की संलिप्तता सुरक्षा संबंधी गंभीर मुद्दों को जन्म दे सकती है। बताया जा रहा है कि युवक पाकिस्तानी एजेंसी के सम्पर्क में था। सूत्रों ने बताया कि ई-मित्र संचालक काफी समय से इस काम में सक्रिय था, लेकिन उसका किसी संदिग्ध गतिविधि से जुड़ा होना चौंकाने वाला है। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी सतर्कता से मामले की जांच कर रही है। उल्लेखनीय है कि यह पाकिस्तान का सीमावर्ती क्षेत्र है तथा महाजन फील्ड फायरिंग रेंज होने से इस क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर सदैव केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां चौकस रही है।

महाकुंभ समाज में एकजुटता, परस्पर सहयोग एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रतीक : चिदानंद सरस्वती

महाकुंभ नगर (हिंस)। महाकुंभ समाज में एकजुटता, परस्पर सहयोग और पर्यावरण के प्रति जागरूकता के प्रतीक के रूप में उभरा है। यह बात गुरुवार को महाकुंभ के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि के बाद परमार्थ निकेतन शिविर के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा। उन्होंने महाकुंभ के इस अद्भुत आयोजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उत्तर प्रदेश सरकार, प्रशासन, मेला प्रशासन, स्वच्छता कर्मी और सुरक्षाकर्मियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महाकुंभ में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति ने सुरक्षा व स्वच्छता की व्यवस्थाओं की सराहना की। स्वामी ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के साथ-साथ सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनका समर्पण और रात दिन की मेहनत से महाकुम्भ, सभी के जीवन में यादगार बन पाया। स्वामी चिदानंद ने महाकुंभ के आयोजन कि लिए सभी जिम्मेदार संस्थाओं के योगदान की

प्रशंसा की। महाकुंभ के दिव्य अवसर पर परमार्थ निकेतन शिविर में आयोजित मेदांता द मेडिसिटी ने लाखों श्रद्धालुओं को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। यह पहल न केवल एक चिकित्सकीय मिशन थी, बल्कि इसने महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक मील का पत्थर स्थापित किया है। मेदांता द मेडिसिटी, जो देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में से एक है, ने इस महाकुंभ के दौरान स्वामी चिदानंद सरस्वती जी के मार्गदर्शन व आशीर्वाद से परमार्थ निकेतन शिविर में विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं और एंबुलेंस की व्यवस्था की। वहीं दूसरी ओर परमार्थ निकेतन, शिविर में श्रद्धालुओं के लिए मुफ्त चिकित्सा सेवाएं, आंखों की जांच, मधुमेह की जांच और आंखों के नंबर की जांच की गई। इसके अलावा, श्रद्धालुओं को धूप से बचाव के लिए मुफ्त में धूप के चश्मे भी वितरित किए गए। इन पहलुओं से महाकुंभ में लाखों श्रद्धालुओं को फायदा पहुंचाया जिससे यह आयोजन उनके लिए और यादगार बना गया। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने इस पहल को लेकर मेदांता द मेडिसिटी के डॉक्टरों का आभार व्यक्त किया और कहा, यह एक अद्भुत पहल है और इस पहल के माध्यम से लाखों श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का ध्यान रखा गया। स्वामी जी ने विशेष रूप से डॉ. नरेश त्रेहन, डॉ. निशांत कुमार और पूरी टीम को धन्यवाद दिया। जिन्होंने इस चिकित्सा सेवाओं को महाकुंभ में उपस्थित श्रद्धालुओं तक पहुंचाया। उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक है। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने शिविर के सभी श्रद्धालुओं को महाकुंभ के दौरान प्लास्टिक मुक्त अभियान के तहत कपड़े के सुंदर थैले वितरित किए। यह पहल पर्यावरण को बचाने के उद्देश्य से की गई, ताकि महाकुंभ के इस बड़े आयोजन को प्लास्टिक मुक्त रखा जा सके और पर्यावरण की सुरक्षा की दिशा में एक कदम और बढ़ाया जा सके। इस पहल के द्वारा महाकुंभ में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्लास्टिक के बजाय पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान किए गए। स्वामी चिदानंद सरस्वती ने सभी से अपील किया है कि भविष्य महाकुंभ व ऐसे बड़े आयोजनों को प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं और पर्यावरण को बचाने के लिए हर व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझे। उन्होंने कहा कि मीडिया की सजगता व कर्तव्यनिष्ठा से पूरी दुनिया को इस अद्भुत महोत्सव के दर्शन हो पाए।

कांग्रेस प्रत्याशी ने भाजपा से वापिस लिया समर्थन

हरविंद्र कौर बोली, विधायक ने बनाया था मानसिक दबाव, गलती की स्वीकार

फरीदाबाद (हिंस)। नगर निगम वार्ड नंबर 9 से कांग्रेस प्रत्याशी हरविंद्र कौर ने भाजपा को दिया समर्थन वापस ले लिया है। हरविंद्र ने 21 फरवरी को भाजपा प्रत्याशी का समर्थन किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ताओं और विधायक सतीश फागना ने उन पर मानसिक दबाव बनाया था। हरविंद्र और उनके पति हरजिंद्र सिंह ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत में अपनी गलती स्वीकार की। उन्होंने बताया कि भाजपा कार्यकर्ता और विधायक सतीश फागना उनके घर आए थे। दबाव में आकर उन्होंने जल्दबाजी में यह निर्णय लिया। उन्होंने उन अफवाहों को भी खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा था कि उन्होंने समर्थन के बदले लाखों रुपए लिए हैं। हरविंद्र ने स्पष्ट किया कि वह आज भी कांग्रेस प्रत्याशी हैं। वह कांग्रेस के चुनाव चिह्न पर ही चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने जल्दबाजी में दिए समर्थन के लिए जनता से माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि पिछले 5 सालों से वो जनता की सेवा कर रही हैं। वह कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव प्रचार जारी रखेंगी और जनता का जो भी फैसला होगा, उसे स्वीकार करेंगी। वार्ड नंबर 9 से कांग्रेस के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रही प्रत्याशी वही हैं, जिन्हें न केवल कांग्रेस, बल्कि आम आदमी पार्टी ने भी टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा था, लेकिन उन्होंने आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी के तौर पर नामांकन ना भरकर कांग्रेस के प्रत्याशी के तौर पर नामांकन भरा और चुनावी मैदान में उतरी थीं और आज वह बीजेपी को दिया समर्थन वापिस लेकर फिर कांग्रेसी प्रत्याशी के तौर पर चुनावी मैदान में है।

आरा-बक्सर हाइवे पर ट्रक-ऑटो टक्कर में चार लोगों की मौत

पटना (हिंस)। बिहार के आरा-बक्सर हाइवे पर शाहपुर फौजी पेट्रोल पंप के पास आज सुबह करीब पांच बजे ट्रक और ऑटो की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में 12 से अधिक श्रद्धालु घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा शाहपुर बनाही अंडरपास के पास हुआ। बेकाबू ट्रक ने एक ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। मृतकों में तीन महिलाएं और एक बच्चा शामिल हैं। मृतकों में वैशाली जिले के फतेहपुर थाना राघोपुर नौका पट्टी निवासी मनोज महतो का 13 वर्षीय पुत्र अजित कुमार, वैशाली जिले के गंगावृज थाना के छवासिया गांव निवासी शिवनंदन महतो की 50 वर्षीय पत्नी सुहाग देवी, पटना जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के दाउदपुर निवासी उत्तम कुमार की 65 वर्षीय पत्नी सुहाग्ना देवी और स्वर्गीय मोहन महतो की 65 वर्षीय पत्नी सिरतिया देवी शामिल हैं। यह लोग रोहतास जिला स्थित गुप्ता धाम से मुंडन समारोह से लौट रहे थे। आरोपित चालक ट्रक लेकर फरार बताया जा रहा है।

श्रीराम के आदर्शों व संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपने का प्रयास श्रीराम महोत्सव : राजा बुंदेला

रुद्राणी कला ग्राम में पांच दिवसीय भव्य श्रीराम महोत्सव अब 16 मार्च से, जुटेंगे देश विदेश के कलाकार

झांसी (हिंस)। धार्मिक व पर्यटन नगरी ओरछा धाम के रूद्राणी कला ग्राम एवं शोध संस्थान में 16 मार्च 2025 से पांच दिवसीय राम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। विगत दिनों पहले निर्धारित शुभारंभ तारीख 13 मार्च की जगह पर अब परिवर्तित शुभारंभ 16 मार्च से होगा। होली के चलते प्रमुख कलाकारों ने आने पर असमर्थता जताई थी जिसके बाद यह संशोधन किया गया है। राम महोत्सव विगत तीन वर्षों से बुंदेलखंड की सांस्कृतिक विरासत कला एवं संस्कृति को संवर्धन करने के उद्देश्य से विभिन्न संस्कृत साहित्य एवं धार्मिक आयोजन करता आ रहा है जिसमें देश के प्रसिद्ध विद्वानों के साथ कला एवं संस्कृति से जुड़े कलाकारों के अलावा फ़िल्मि जगत के प्रसिद्ध कलाकार शामिल होंगे। आयोजन को लेकर रुद्राणी कला ग्राम के संस्थापक एवं प्रसिद्ध अभिनेता राजा बुंदेला ने

कहा इस समारोह का उद्देश्य मानवता के समस्त आदर्शों के प्रतीक राम के व्यक्तित्व से मिले संस्कारों को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को सौंपने का एक प्रयास है। जिससे कि आने वाली नई पीढ़ी जाने कि इस तरह सत्य और निष्ठा के मार्ग पर चलते हुए एक आदर्श पुत्र, भाई, मित्र एवं आदर्श पति के दायित्यों को निभाते हुए भी महापुरुष बनने का मार्ग क्या है और आम जीवन शैली एवं व्यवहार में हम किस तरह राम को बसाकर एक आदर्श जीवन जी सकते हैं। श्रीराम महोत्सव की सराहना स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं। बेतवा किनारे राम महोत्सव का भव्य आयोजन में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय साधु-संत श्रीराम राज्य में समाज की व्यवस्था पर प्रकाश डालेंगे। कार्यक्रम में हिंदी फिल्मों के विख्यात अभिनेता-अभिनेत्रियां नितीश भारद्वाज, मनोज तिवारी एवं सुरेंद्र पाल आदि शामिल होंगे। केंद्रीय, उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश के मंत्री गण एवं समाज सेवी भी सम्मिलित होंगे। रामकथा के विद्वान भाग लेंगे। श्रीराम राजा सरकार की नगरी रूद्राणी कला ग्राम ओरछा में पांच दिवसीय राम महोत्सव का आयोजन 16 मार्च से 20 मार्च तक किया जाएगा। ओरछा धाम की महिमा न्यारी है। श्रीराम संपूर्ण विश्व के राजा हैं। ओरछा धाम से ही समस्त विश्व पर शासन करते हैं बुंदेलखंड में ओरछा धाम की भूमि विपदा को हरण करने वाली है। ओरछा धाम का आध्यात्मिक और भारतीय संस्कृति में प्रमुख स्थान है। कष्ट की घड़ी में यह क्षेत्र जन जन का सहारा है। प्राचीन धर्म ग्रंथों में इस क्षेत्र को विपदा का नाश करने वाला क्षेत्र माना गया है। राम महोत्सव भगवान राम के आदर्शों को जनता तक पहुंचाने के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस राम महोत्सव में बुंदेलखंड के गिरवासी, बनवासी, आदिवासी, समाज के लोक संगीत, लोक नृत्य का प्रदर्शन राम कथा के साथ टपरा टाकीज में राम से संबंधित फिल्मों का प्रदर्शन एवं डॉक्यूमेंट्री, नाटक, रामलीला, यज्ञ आदि के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। रात्रि में सांस्कृतिक संध्या पर विश्व विख्यात रामलीला का मंचन होगा प्रातः काल में राम ज्ञान योग होगा, प्रति दिन हवन पूजन होगा, राम भजन प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इस दौरान राम पर छायाचित्र प्रदर्शनी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

94वीं पुण्यतिथि पर मां भारती के वीर सपूत चंद्रशेखर आजाद को दी श्रद्धांजलि

भागलपुर (हिंस)। नवगछिया पुलिस जिला बाल बैडमिंटन संघ के तत्वावधान में गुरुवार को रेलवे ईंजीनियरींग मैदान बिहपुर में 94वीं पुण्यतिथि पर मां भारती के वीर सपूत चंद्रशेखर आजाद को याद कर श्रद्धांजलि दिया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के जिला सचिव ज्ञानदेव कुमार ने किया। इस मौके पर ज्ञानदेव ने कहा कि 23 जुलाई 1906 में जन्मे आजाद ने वर्ष 1931 में आज ही के दिन मुठभेड़ के दौरान अंग्रेजों के गोली से मरने की बजाय खुद को गोली मारने का विकल्प चुना, जिस जगह पर उन्होंने अपनी जान को मां भारती के लिए कुर्बान कर दिया, वो जगह इलाहबाद में अल्फ्रेड पार्क ऐतिहासिक स्मारक बन गया। जो अब इस पार्क को चंद्रशेखर आजाद पार्क के नाम से जाना जाता है।

देश की जीडीपी ग्रोथ दिसंबर तिमाही में 6.3 फीसदी संभव, आज आएंगे आंकड़े

नई दिल्ली

चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़े आज जारी होंगे। भारत की जीडीपी की ग्रोथ रेट अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में सकारात्मक बनी रहने की उम्मीद है।

जानकारों का मामना है कि तीसरी तिमाही में यह लगभग 6.3-6.4 फीसदी के दायरे में रह सकती है। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में लिए देश की जीडीपी के आंकड़े 28 फरवरी को शाम 4 बजे जारी किए जाने की संभावना है। आर्थिक मामलों के जानकारों ने उच्च सरकारी खर्च के कारण देश की जीडीपी वृद्धि दर अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 6.3 फीसदी तक बढ़ने की संभावना है।

वहीं, अधिकांश रेटिंग एजेंसियों ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए जीडीपी ग्रोथ 6.3-6.5 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। अइंडिया रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के लिए 6.5 फीसदी का उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान दिया है, जबकि नोमुरा का सबसे कम 5.8 फीसदी रहने का अनुमान है। इसके अलावा अन्य अनुमानों में बैंक ऑफ बड़ौदा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को उम्मीद है कि भारतीय अर्थव्यवस्था तीसरी तिमाही में क्रमश: 6.4 फीसदी और 6.2-6.3 फीसदी की दर से बढ़ेगी। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने 6.4 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का पूर्वानुमान दिया है।

उल्लेखनीय है कि देश की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 6.7 फीसदी रही थी, लेकिन आम चुनावों की वजह से सरकार के पूंजीगत व्यय में कमी तथा कमजोर उपभोग मांग के कारण जुलाई-सितंबर दूसरी तिमाही में यह धीमी होकर सात तिमाहियों के निम्नतम स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई थी।

न्यूज़ ब्रीफ

आईफोन 17 सीरीज को सितंबर 2025 में लॉन्च करने की तैयारी

नई दिल्ली। फ्लैगशिप स्मार्टफोन आईफोन 17 सीरीज को एप्पल कंपनी सितंबर 2025 में लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस बार कंपनी चार नए मॉडल पेश करेगी - आईफोन 17,आईफोन 17 एयर , आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स। हालांकि, आईफोन 17 एयर प्लस को बंद किया जा सकता है, क्योंकि इसकी बिक्री उम्मीद से कम रही थी। आईफोन 17 सीरीज़ में कई बड़े अपग्रेड देखने को मिलेंगे। इनमें नया डिजाइन, बेहतर डिस्प्ले और हाई-रिज़ॉल्यूशन सेल्फी कैमरा शामिल होंगे। इस बार कंपनी आईफोन 17 एयर नामक एक नया मॉडल लॉन्च करेगी, जो अपनी पतली डिजाइन के कारण चर्चा में है। यह अब तक का सबसे पतला आईफोन हो सकता है, जिसकी मोटाई सिर्फ 6.25 मिमी होगी। वहीं, आईफोन 17 का डिस्प्ले 6.3 इंच का होगा, जो आईफोन 16 प्रो के बराबर होगा। सभी मॉडलों में 120 एचझेड प्रोमोशन और ऑलवेज-ऑन डिस्प्ले जैसी सुविधाएं दी जाएंगी। नए आईफोन 17 प्रो मॉडल में कैमरा डिज़ाइन बदला जाएगा। आईफोन 17 सीरीज़ में ए 19 बायोनिक चिपसेट और 8जीबी रैम दी जाएगी, जिससे परफॉर्मेंस में काफी सुधार होगा। कनेक्टिविटी के लिए नए वाई-फाई 7 और ब्लूटूथ चिप्स भी शामिल होंगे। भारत में आईफोन 17 की शुरुआती कीमत 79,900 रुपये हो सकती है, जबकि आईफोन 17 एयर की कीमत 89,900 रुपये तक हो सकती है। इसमें अब चौकोर कैमरा मॉड्यूल की जगह आयताकार बार डिज़ाइन होगा, जिसमें तीन सेंसर त्रिकोणीय रूप से व्यवस्थित होंगे। इसके अलावा, आईफोन 17 में 48 मेगापिक्सल का फ्यूजन कैमरा, 12 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस और 24 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा दिया जाएगा।

जल्द ही मेकबुक एयर की नई लाइनअप होगी लॉन्च

नई दिल्ली। जल्द ही एप्पल कंपनी मेकबुक एयर की नई लाइनअप लॉन्च करने वाली है, जिसमें एप्पल का लेटेस्ट एम4 चिपसेट मिलेगा। इस अपग्रेड के साथ मेकबुक एयर पहले से ज्यादा पावरफुल और एडवांस होगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एप्पल अपने नए मेकबुक एयर को मार्च में लॉन्च कर सकता है। कंपनी की रिटेल, मार्केटिंग और सेल्स टीम को लॉन्च की तैयारियों में लगा दिया गया है। साथ ही, पुराने मेकबुक एयर मॉडल्स की इन्वेंटरी तेजी से कम की जा रही है, जिससे यह संकेत मिलता है कि नया मेकबुक एयर जल्द बाजार में आने वाला है। एप्पल

35 वर्ष से कम के 45 प्रतिशत युवा शेयर बाजार को दे रहे प्राथमिकता

बेंगलुरु। निवेश के लिए 35 वर्ष के कम के 45 प्रतिशत युवा भारतीय शेयरों को प्राथमिकता दे रहे हैं। इसकी

जानकारी सोमवार को जारी हुई रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, शेयरों की ओर से लोगों का झुकाव बढ़ने से वित्तीय जागरूकता और तकनीक के कारण अच्छे निवेश विकल्प उपलब्ध होना एवं लंबी अवधि में वैल्थ क्रिएशन का लक्ष्य है। रिपोर्ट के अनुसार, 81 प्रतिशत लोगों ने बताया कि वे शेयर बाजार में निवेश कर चुके हैं। यह बदलाव दिखाता है कि अधिक युवा पारंपरिक बचत साधनों से दूर प्रत्यक्ष इक्विटी निवेश को अपना रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि बढ़े हुए उत्साह के बावजूद वित्तीय शिक्षा एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। रिपोर्ट में सामने आया हैं कि 42 प्रतिशत गैर-निवेशकों को लगता है कि उनके पास निवेश शुरू करने के लिए आवश्यक ज्ञान की कमी है, जबकि 44 प्रतिशत इच्छुक निवेशक स्टेप-बाय-स्टेप मार्गदर्शन चाहते हैं। इसके अतिरिक्त, 38 प्रतिशत उत्तरदाता ऑनलाइन वीडियो कोर्स के माध्यम से सीखना पसंद कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 68 प्रतिशत उत्तरदाता निवेश सीखने और ट्रेडिंग के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। वहीं, रिपोर्ट के यह बात निकल कर आई हैं कि रियल-टाइम जानकारी, एआई द्वारा दिए जा रहे सुझावों और वर्चुअल ट्रेडिंग अनुभव जैसी सुविधाओं ने निवेश को अधिक आसान बनाया है। करीब 50 प्रतिशत नए निवेशक रियल निवेश शुरू करने से पहले वर्चुअल मनी के साथ प्रैक्टिस करना पसंद करते हैं। बाजार में अस्थिरता निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, 51 प्रतिशत ने संभावित बाजार गिरावट के बारे में आशंका व्यक्त की है।

मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा 7 - सीटर को परीक्षण के दौरान देखा गया

नई दिल्ली

मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा के तीन-पंक्ति वाले संस्करण को एक बार फिर से परीक्षण के दौरान देखा गया है। कोडनेम वाय 17 वाली सात-सीट वाली एसयूवी संभवत: 2025 के अंत में शुरू होगी, जो मौजूदा पांच-सीटर मॉडल के लिए एक बड़ा सात-सीटर विकल्प पेश करेगी। डिज़ाइन तत्वों से पता चलता है कि यह मारुति सुजुकी ई विटारा इलेक्ट्रिक एसयूवी से प्रेरित है। नई एसयूवी का उत्पादन हरियाणा के खरखौदा में मारुति सुजुकी की आगामी सुविधा में होगा। उम्मीद है कि ग्रैंड विटारा का सात-सीटर संस्करण वैश्विक सी-प्लेटफ़ॉर्म पर आधारित होगा। स्पाई शॉट्स से पता चलता है कि सात-सीटर ग्रैंड विटारा में लंबी प्रोफ़ाइल और नए अलॉय व्हील हैं।

आगे की तरफ़ एक ताज़ा ग्रिल, एक नया डिज़ाइन किया गया बम्पर और नए डेटाइम रनिंग लाइट के साथ एक संशोधित हेडलैंप सेटअप दिखाई देता है। पीछे की तरफ़, एसयूवी में कनेक्टेड एलईडी टेललैंप, एक शार्क-फ़िन एंटीना और एक नया रियर बम्पर मिलने की उम्मीद है। अंदर, बड़ी ग्रैंड विटारा में संभवत: एक नया डिज़ाइन किया गया डैशबोर्ड होगा जिसमें एक बड़ी इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन होगी।तीन-पंक्ति वाली ग्रैंड विटारा संभवत: पांच-सीटर मॉडल के समान ही होगी और इसमें 1.5-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन और 1.5-लीटर हाइब्रिड पावरट्रेन को आगे बढ़ाया जाएगा। ट्रांसमिशन विकल्प पांच-सीटर ग्रैंड विटारा के समान ही रहने की संभावना है।7-सीटर ग्रैंड विटारा का मुकाबला हुंडई अल्काज़र, टाटा सफारी, महिंद्रा एक्सयूवी 700, महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन, किआ कैरेंस और एमजी हेक्टर प्लस जैसी तीन-पंक्ति एसयूवी से होगा। ग्रैंड विटारा सात-सीटर से बढ़ते एसयूवी बाजार में महत्वपूर्ण छाप छोड़ने की उम्मीद है। मारुति सुजुकी द्वारा 7-सीटर

ग्रैंड विटारा को 2025 की चौथी तिमाही या 2026 की पहली तिमाही में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। कीमत के मामले में, तीन-पंक्ति वाली ग्रैंड विटारा को पांच-सीटर वेरिएंट से ऊपर रखा जाएगा, जिसकी वर्तमान में कीमत 10.99 लाख रुपये से 20.09 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच है। पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड फ्रंट सीटें, 360-डिग्री कैमरा, ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल और रियर एसी वेंट जैसी सुविधाएँ दिए जाने की उम्मीद है।

सेफ्टी फीचर अडास के कारण हादसे कम करने में मिलती है मदद

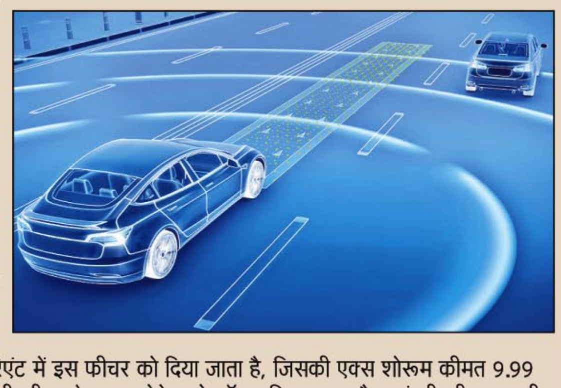

नई दिल्ली। दुनियाभर में हर रोज बड़ी संख्या में सड़क हादसे होते हैं, जिनमें कई लोग घायल हो जाते हैं। जिसे देखते हुए वाहन निर्माताओं की ओर से लगातार सुरक्षा बढ़ाने पर काम किया जा रहा है। इसी क्रम में कारों में अडास को दिया जा रहा है। इस सेफ्टी फीचर के कारण हादसे कम करने में मदद मिलती है और ज्यादा बेहतर सुरक्षा मिलती है। हालांकि नीचे बताई कारों के कुछ वेरिएंट्स में ही इस सेफ्टी फीचर को दिया जाता है। जापानी वाहन निर्माता होंडा की ओर से अमेज को कॉम्पैक्ट सेडान कार के तौर पर लाया जाता है। इस सेगमेंट में अमेज इकलौती गाड़ी है जिसमें अडास जैसे सेफ्टी फीचर को ऑफर किया जाता है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 8.10 लाख रुपये से शुरू हो जाती है। लेकिन इसके झेडएक्स वेरिएंट में इस फीचर को दिया जाता है, जिसकी एक्स शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये है। किआ की ओर से भी अडास जैसे सेफ्टी फीचर के साथ सोनेट को ऑफर किया जाता है। कंपनी की इस गाड़ी में लेवल-1अडास को दिया जाता है। इसकी एक्स शोरूम कीमत आठ लाख रुपये से शुरू हो जाती है। लेकिन इसके जीटीएक्स प्लस वेरिएंट में अडास को दिया जाता है उसकी एक्स शोरूम कीमत 14.80 लाख रुपये है। हुंडई की ओर से भी सब फोर मीटर एसयूवी के तौर पर लाई जाने वाली वेन्यू में भी अडास जैसे सेफ्टी फीचर को दिया जाता है। इस गाड़ी को 7.95 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत से खरीदा जा सकता है। हुंडई की ओर से एसएक्स(ओ) वेरिएंट में यह सेफ्टी फीचर दिया जाता है, जिसकी एक्स शोरूम कीमत 12.53 लाख रुपये है। महिंद्रा की ओर से भी एक्सयूवी 3एक्सह्न को अडास के साथ ऑफर किया जाता है। इस गाड़ी में लेवल-2 अडास को दिया जाता है। कंपनी की ओर से इस गाड़ी की एक्स शोरूम कीमत 7.99 लाख रुपये से शुरू की जाती है। इसके एएक्स5एल वेरिएंट से इस सेफ्टी फीचर को दिया जाता है। जिसकी एक्स शोरूम कीमत 12.44 लाख रुपये से शुरू होती है। ब्रिटिश वाहन निर्माता एमजी मोटर्स की ओर से भी अडास जैसे सेफ्टी फीचर के साथ एमजी अस्टार को भारतीय बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कंपनी की इस एसयूवी की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 9.99 लाख रुपये है। एसयूवी के सावी प्रो वेरिएंट में अडास को दिया जाता है। जिसकी एक्स शोरूम कीमत 17.45 लाख रुपये से शुरू होती है।

यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने की तैयारी कर रही केंद्र सरकार

इसमें असंगठित क्षेत्रों, कंस्ट्रक्शन वर्कर, घरेलू स्टाफ और गिग वर्कर्स को शामिल किया जाएगा

नई दिल्ली

केंद्र सरकार देश के सभी नागरिकों के लिए यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने की तैयारी कर रही है। इसमें गैर-संगठित क्षेत्र के लोगों को भी शामिल किया जाएगा। अभी कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करने वाले, घरेलू स्टाफ, और गिग वर्कर्स को सरकार की ओर से चल रही पेंशन स्कीम्स का फायदा नहीं मिलता है।

इस स्कीम से सभी वेतनभोगी कर्मचारियों और सेल्फ एंप्लॉयड को लाभ मिलेगा। सरकार इसके लिए अभी प्रपोजल डॉक्यूमेंट्स तैयार कर रही है, इसके बाद स्टेकहोल्डर्स से प्रपोजल लिए जाएंगे।

मौजूदा पेंशन स्कीम्स से कैसे अलग है

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मौजूदा एंप्लॉय प्रोविडेंट फंड ऑर्गेनाइजेशन से अलग है, क्योंकि नई स्कीम में सरकार अलग-अलग तरह के कई स्कीम्स को मिलाकर एक यूनिवर्सल स्कीम बना सकती है। इसे स्वैच्छिक आधार पर किसी भी नागरिक के लिए एक सुरक्षित विकल्प के रूप में देखा जा सकता है।

नेशनल पेंशन स्कीम का क्या होगा सोर्सेज के अनुसार, अगर यह स्कीम शुरू होती भी है तो नेशनल पेंशन स्कीम को न तो रिप्लेस नहीं करेगा और न ही उसमें मर्ज होगा। यानी यूनिवर्सल पेंशन स्कीम से नेशनल पेंशन स्कीम पर कोई असर नहीं होगा।

गैर संगठित क्षेत्रों के लिए कई सरकारी पेंशन स्कीम्स देश में चल रही है। इसमें से एक अटल पेंशन योजन है।इस स्कीम में व्यक्ति के 60 साल के हो जाने के बाद हर महीने 1,000 रुपए से 1,500 रुपए का रिटर्न मिलता। इसके अलावा, प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना भी चल रही है। इसमें रेहड़ी-पटरी वालों, घरेलू कामगारों और मजदूरों को फाइनेंशियल असिस्टेंस सरकार देती है।

वहीं, किसानों के लिए अलग से एक स्कीम- प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना चल रही है। इसमें निवेशक के 60 साल हो जाने के बाद सरकार हर महीने 3000 रुपए का असिस्टेंस देती है। सरकारी कर्मचारियों के लिए अप्रैल से शुरू होगी यूनिफाइड पेंशन स्कीम हाल ही में केंद्र सरकार ने सरकारी नौकरी करने वाले लोगों के लिए नई पेंशन योजना को मंजूरी दी है।

माइक्रोमैक्स ने किया अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश

घरेलू उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक ब्रांड माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स ने कहा कि स्टार्टअप एनर्जी की शुरुआत के साथ अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में प्रवेश करेगी। कंपनी के अनुसार इसका मकसद भारत में सौर पैनल विनिर्माण में क्रांति लाना, टिकाऊ ऊर्जा को व्यापक रूप से अपनाना और देश के महत्वाकांक्षी स्वच्छ ऊर्जा मिशन को समर्थन देना है। जैसे-जैसे दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही है, स्टार्टअप एनर्जी भारत की अक्षय ऊर्जा क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है। माइक्रोमैक्स इंफॉर्मेटिक्स के एक अधिकारी ने कहा कि हमारा लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा को अधिक सुलभ, विश्वसनीय व लागत प्रभावी बनाना है, ताकि व्यक्ति तथा व्यवसाय दोनों को टिकाऊ ऊर्जा समाधानों का फायदा मिल सके।

गंभीर एलर्जी के इलाज के लिए ग्लेनमार्क फार्मा ने लॉन्च किया नया इंजेक्शन

नई दिल्ली

दवा कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने गंभीर एलर्जी (एनाफिलैक्सिस) के आपातकालीन इलाज के लिए एक नया इंजेक्शन अमेरिका में लॉन्च किया है। यह एपिनेफ्रीन इंजेक्शन यूएसपी, 10एमजी/10एमएल (1 एमजी/एमएल) मल्टीपल-डोज वायल के नाम से बाजार में उपलब्ध होगा।

यह इंजेक्शन मधुमक्खी या किसी अन्य कीड़े के काटने, कुछ दवाओं, भोजन या अन्य एलर्जी पैदा करने वाले तत्वों से होने वाली गंभीर एलर्जी का तुरंत इलाज करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। मायो क्लिनिक के अनुसार, यह उन मामलों में भी प्रभावी है, जहां एलर्जी का कारण अज्ञात होता है या यह व्यायाम से ट्रिगर हो जाती है।

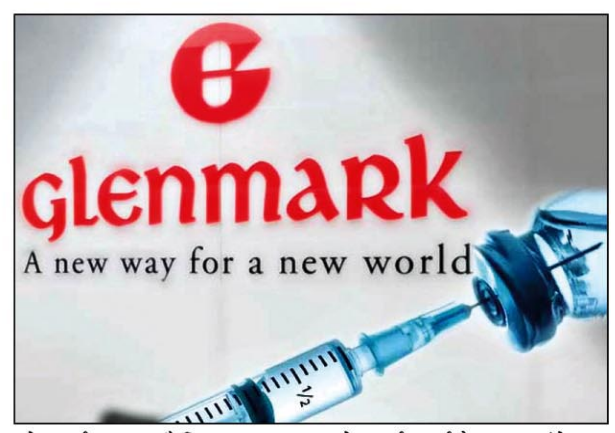

ग्लेनमार्क का दावा है कि उसका यह इंजेक्शन बीपीएल लैब्स, एलएलसी के एपिनेफ्रीन इंजेक्शन के समान प्रभावी और सुरक्षित है। इसका मतलब है कि यह अमेरिकी दवा नियामक मानकों के अनुरूप है। ग्लेनमार्क फार्मा के इस नए इंजेक्शन से गंभीर एलर्जी से जूझ रहे मरीजों को सस्ता और प्रभावी इलाज मिल सकेगा। साथ ही, यह लॉन्च कंपनी की अमेरिका में उपस्थिति को और मजबूत करने में मदद करेगा।

शक्ति ग्रुप ने मध्य प्रदेश में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में 1700 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की

इन्दौर

सोलर पम्पस और मोटर्स के अग्रणी निर्माता और आपूर्तिकर्ता शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने आज मध्य प्रदेश में 1700 करोड़ रुपये के महत्वपूर्ण निवेश की घोषणा की। पीथमपुर में लगभग 64 हेक्टयर इंडस्ट्रियल लैंड पर होने जा रहे इस विस्तार में रिन्यूएबल एनर्जी सोलर वेफ़र से सोलर सेल, सोलर पंपिंग सिस्टम और इलेक्ट्रिक व्हीकल कम्पोनेंट्स के लिए अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स स्थापित होंगी, जिससे प्रदेश में रोजगार के बड़े अवसर पैदा होंगे। इन प्रोजेक्ट्स में प्रोडक्शन शुरू होने पर शक्ति पम्पस देश की पहली कंपनी होगी जिसके पास सोलर पम्पिंग इंडस्ट्री की सारी जरूरतें जैसे पम्पस, मोटर्स, सोलर पैनल, स्ट्रक्चर, वीएफ़डी, इन्वर्टर आदि बनाने की क्षमता होगी।

1982 में स्थापित शक्ति पंप्स की भारतीय बाजार में 40 से अधिक वर्षों की समृद्ध विरासत है। कंपनी घरेलू, कृषि, औद्योगिक, सौर और

सीवेज पंप सहित पंपों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करती है, जो अलग-अलग जरूरतों को पूरा करती है। भारतीय सोलर पंप मार्केट में एक मान्यता प्राप्त लीडर, शक्ति पंप्स एनर्जी एफिशिएंसी और स्थिरता पर जोर देते हुए दुनिया भर के 100 से

सीधे और अप्रत्यक्ष रूप से 7500 नौकरियां पैदा होंगी

अधिक देशों में अपने उत्पादों का निर्यात करता है। कंपनी ने लगातार मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और लाभप्रदता का प्रदर्शन किया है। शक्ति पंप्स, सोलर पम्पस के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) की पीएम कुसुम योजना का एक चैनल पार्टनर भी है, जो रिन्यूएबल एनर्जी सोलुशंस के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह रणनीतिक निवेश शक्ति समूह के अंतर्गत तीन अलग-अलग कंपनियों के माध्यम से किया जाएगा, जो सभी मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित हैं :-

शक्ति एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड : यह कंपनी 1200 करोड़ रुपये के पूंजी निवेश के साथ वेफ़र से सोलर सेल के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसकी क्षमता 2 गीगा वॉट होगी। उद्यम से लगभग 4000 व्यक्तियों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होने का अनुमान है।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड : ग्रुप इस इकाई में 250 करोड़ रुपयों का अतिरिक्त निवेश कर सोलर पंप, मोटर, वीएफडी (वैरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव), इनवर्टर, संरचनाओं और अन्य संबंधित घटकों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिस से अनुमानित 2500 लोगों को रोजगार मिलेगा.

शक्ति ईवी मोबिलिटी लिमिटेड : यह नया उद्यम इलेक्ट्रिक व्हीकल मोटर, कंट्रोलर और चार्जर के निर्माण में विशेषज्ञता हासिल करेगा, जिसमें करीब 2 लाख यूनिट्स प्रतिवर्ष बनाई जा सकेंगी। लगभग 250 करोड़ रुपये के निश्चित पूंजी निवेश की योजना बनाई गई है, जिससे लगभग 1000 नौकरियां पैदा होंगी।

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमेन दिनेश पाटीदार ने कहा कि यह महत्वपूर्ण निवेश मध्य प्रदेश और इसके विकास पथ के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। हमें राज्य की अपार संभावनाओं और इसके अनुकूल कारोबारी माहौल पर विश्वास है। यह विस्तार रिन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्रों में हमारी स्थिति को मजबूत करने के साथ साथ, पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करके क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। शक्ति पंप्स की मध्य प्रदेश में मजबूत उपस्थिति है, जिसमें 2500 से अधिक लोग कार्यरत हैं और 04 प्लांट्स संचालित कर रहे हैं। शक्ति समूह ने पहले ही 500 करोड़ रुपये से अधिक का निश्चित पूंजी निवेश किया है। समूह ने 1200 से अधिक प्रकार के पंप, मोटर और कंट्रोलर का स्वदेशी रूप से विकास किया है, जो इनोवेशन और स्थानीय विशेषज्ञता पर इसके फोकस को दर्शाता है। भारत के अलावा, शक्ति समूह की यूएई और युएसए जैसे देशों में अपनी कंपनीज़ हैं और 100 से अधिक देशों के निर्यात से इसे अंतरराष्ट्रीय कम्पनी का दर्जा हासिल है।

जोस बटलर की कप्तानी पर संकट : इंग्लैंड की चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने के बाद उठे सवाल

लाहौर

इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान जोस बटलर की नेतृत्व भूमिका पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अफगानिस्तान के खिलाफ मिली हार के बाद, जिससे इंग्लैंड टूर्नामेंट से बाहर हो गया, उनकी कप्तानी पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ करो या मरो के मुकाबले में इंग्लैंड के पास मौके थे, लेकिन वे उनका लाभ उठाने में असफल रहे। इससे पहले ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 351 रन बनाने के बावजूद रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करने में असमर्थता ने भी उनकी स्थिति कमजोर कर दी थी।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बटलर ने स्वीकार किया कि उन्हें अपनी कप्तानी और भविष्य को लेकर पुनर्विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जाहिर तौर पर परिणाम हमारे पक्ष में नहीं रहे हैं। मुझे इस पर विचार करना होगा कि मैं समस्या का हिस्सा हूं या समाधान का।

इंग्लैंड के संघर्ष और बटलर की फॉर्म पर सवाल – 2019 वनडे और 2022 टी20 विश्व कप जीतने के बाद इंग्लैंड का प्रदर्शन गिरावट पर है। 2023 वनडे विश्व कप में टीम सातवें स्थान पर रही, जबकि 2024 टी20 विश्व कप में भारत से सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी। हाल ही में इंग्लैंड को भारत के खिलाफ टी20ई (4–1) और वनडे (3–0) सीरीज में हार मिली, जिससे टीम की फॉर्म को लेकर चिंता बढ़ गई। बटलर की व्यक्तिगत फॉर्म भी सवालों के घेरे में है। 2023 विश्व कप के बाद से उन्होंने आठ वनडे पारियों में 30.57 की औसत से मात्र 214 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 58 रहा। टी20 में भी उनका प्रदर्शन औसत दर्जे का रहा है। मैं अपनी पारी को बड़े स्कोर में नहीं बदल पा रहा हूं, जो कि निराशाजनक है, बटलर ने अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी बल्लेबाजी को लेकर कहा।

क्या इंग्लैंड को नया कप्तान मिलेगा – बटलर ने कहा कि वह जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेंगे और इस पर विचार करने के लिए समय लेंगे। मैं अभी कोई भावनात्मक निर्णय नहीं लेना चाहता। हमें टीम को वहां वापस लाने की जरूरत है जहां उसे होना चाहिए – टूर्नामेंट जीतने की दौड़ में। बटलर की कप्तानी पर अब इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को फैसला लेना होगा। क्या इंग्लैंड टी20 और वनडे में नया कप्तान तलाशेगा, या बटलर को आगे मौका मिलेगा।

न्यूज ब्रीफ

फखर जमान ने संन्यास की अफवाहों को किया खारिज, कहा- जल्द करेंगे वापसी

कराची। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा जा रहा था कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह चोट से उबरने के बाद जल्द ही मैदान पर वापसी करेंगे। फखर जमान, जिन्होंने 2017 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में शतक लगाकर पाकिस्तान को ऐतिहासिक खिताबी जीत दिलाई थी, न्यूजीलैंड के खिलाफ कराची में खेले गए पहले मैच में चोटिल हो गए थे। मैच के पहले ही ओवर में एक गेंद का पीछा करते हुए उन्हें मांसपेशियों में खिंचाव आ गया। इसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए, हालांकि बाद में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने उतरे और 41 गेंदों में 24 रन बनाए। चोट के कारण वह अपनी लय में नहीं दिखे और पाकिस्तान को 60 रन से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद ऐसी अटकलें लगने लगीं कि अप्रैल में 35 साल के होने जा रहे फखर का यह आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच हो सकता है। हालांकि, उन्होंने खुद इन अफवाहों को नकारते हुए कहा कि वह अब भी पाकिस्तान के लिए खेलना चाहते हैं। संन्यास की खबरें अफवाह मात्र पीसीबी डिजिटल से बात करते हुए फखर ने कहा, मैंने रिटायरमेंट की खबरों के बारे में सुना है। यहां तक कि मेरे दोस्तों ने भी इस पर मैसेज किया, लेकिन इसमें कोई सच्चाई नहीं है। एकदिवसीय प्रारूप मेरा पसंदीदा है, और मैं टी20, वनडे और यहां तक कि टेस्ट क्रिकेट भी खेलना चाहता हूं। जहां तक मेरी वापसी की बात है, डॉक्टर ने कहा है कि मैं एक महीने में फिर से क्रिकेट खेलना शुरू कर सकता हूं। हालांकि, टूर्नामेंट से पहले फखर जमान को पाकिस्तान के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। इसके अलावा, पिछले साल उन्होंने बाबर आजम को टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के फैसले की आलोचना करते हुए एक ट्वीट किया था, जिसके कारण उन्हें कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था। बाद में, जब पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए कनेक्शन कैंप आयोजित किया, तो फखर ने एक वरिष्ठ अधिकारी की तीखी आलोचना की थी।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के कारण चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम वापस लिया : स्टार्क

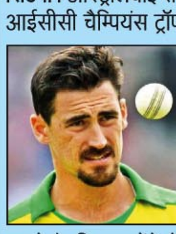

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर रहने का कारण बताया है। स्टार्क ने कहा कि जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए फिटनेस बनाये रखने के लिए उन्होंने चैम्पियंस ट्रॉफी से नाम वापस लिया है। स्टार्क को चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्रारंभिक टीम में जगह मिली थी पर जब अंतिम टीम घोषित हुई तो उसमें स्टार्क का नाम नहीं था। तब क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा था कि स्टार्क ने निजी कारणों से अपना नाम वापस लिया है। वहीं अब स्वयं इस तेज गेंदबाज ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया के लिए जून में होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए तरोताजा रहना चाहते हैं। इस तेज गेंदबाज ने कहा, इसके कुछ अन्य कारण भी हैं। टेस्ट सीरीज के दौरान उन्हें टखने में थोड़ा दर्द हुआ था, जिससे उबरने के लिए उन्हें समय चाहिये था। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल और उसके बाद वेस्टइंडीज का दौरा भी करना है।

युवा खिलाड़ी सफलता के लिए मेहनत करते हुए निराशा से बचें : सिंधु

मुंबई। महिला बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधु ने कहा है कि युवा खिलाड़ियों को सफलता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत और अनुशासन पर ध्यान देना चाहिये। सिंधु ने कहा कि उन्हें निराशा को दूर रखते हुए उत्साही और जुनूनी बनना चाहिये। सिंधु ने कहा कि मेरे अंदर अभी भी उच्चतम स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की भूख है। सिंधू ने कहा कि भले ही निराशा और थकान के कई दिन हों पर एक खिलाड़ी को अनुशासन नहीं खोना चाहिए क्योंकि कोई नहीं जानता कि मैदान पर यह कब उसके काम आ जाए। दो ओलंपिक पदक विजेता इस खिलाड़ी कहा है कि आपको यह उम्मीद रखनी चाहिए कि आपको वहां टिके रहना है और आपको इसे हर एक दिन करते रहना है और यह एक दिन सामने आएगा जब आपकों सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि लोग कह सकते हैं कि आपके पास सब कुछ है, आपको और क्या चाहिए पर मुझे लगता है कि खेल के प्रति जुनून मेरे अंदर अब भी है इसी कारण मैं और बेहतर कर सकती हूं। सिंधु ने कहा कि ये जीत मुझे बहुत आत्मविश्वास देती हैं और अगले स्तर पर जाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं इसलिए मैं कहती हूं कि हर दिन एक नया दिन है और हर दिन एक प्रक्रिया है। भले ही कुछ दिन खराब बीते हों पर यह जरुरी है कि आप उन्हें जाने दें तथा और भी अधिक मजबूत होकर वापसी करें।

प्रीमियर लीग : लिवरपूल ने न्यूकैसल यूनाइटेड को हराकर खिताब की ओर बढ़ाया एक और मजबूत कदम

लंदन

लिवरपूल ने बुधवार रात न्यूकैसल यूनाइटेड को 2–0 से हराकर प्रीमियर लीग खिताब की ओर एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। इस जीत के साथ लिवरपूल ने तालिका में 13 अंकों की बढ़त बना ली, क्योंकि आर्सेनल नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 0–0 से ड्रॉ खेला।

लिवरपूल के लिए डोमिनिक स्ज़ोबोस्ज़लाई ने 11वें मिनट में एक विक्षेपित शॉट के जरिए गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। न्यूकैसल, जो चोटिल अलेक्जेंडर इसाक के बिना खेल रही थी, आक्रमण में संघर्ष करता दिखा। 63वें मिनट में मोहम्मद सलाह के साथ पास का आदान–प्रदान करने के बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने दूसरा गोल कर लिवरपूल की जीत सुनिश्चित कर दी।

आर्सेनल को फिर हुआ नुकसान – नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ 0–0 के ड्रॉ से आर्सेनल को दो और अंक गंवाने पड़े। कोच मिकेल अर्टेटा को इस बात की चिंता होगी कि उनकी टीम लगातार दूसरे मैच में स्कोर करने में विफल रही। आर्सेनल ने 13 शॉट लिए, लेकिन केवल एक ही लक्ष्य पर था।

मैनचेस्टर सिटी शीर्ष चार में वापस लौटी – फिट–एरलिंग हालैंड के एकमात्र गोल की बदौलत मैनचेस्टर सिटी ने टोटेनहम को 1–0 से हराकर शीर्ष चार में वापसी की। मुकाबला कड़ा था, जिसमें दोनों टीमों ने मौके बनाए और गंवाए।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की संघर्षपूर्ण जीत – मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इप्सविच टाउन को 3–2 से हराया, लेकिन उनका प्रदर्शन अब भी सवालों के घेरे में है। यूनाइटेड के तीनों गोल सेट पीस से आए। इप्सविच के लिए जेडन फिलोजेन ने शुरुआत में बढ़त बनाई, लेकिन ब्रूनो फर्नांडीस की फ्री किक पर सैम मोर्सी के डिफ्लेक्टेड गोल ने स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद मैथिज्स डी लिग्ट ने एक ढीली गेंद पर गोल कर यूनाइटेड को बढ़त दिलाई। पैट्रिक डोर्गू को रेड कार्ड मिलने से यूनाइटेड 10 खिलाड़ियों के साथ रह गया, और हाफटाइम से पहले फिलोजेन ने बराबरी कर दी। लेकिन दूसरे हाफ में हैरी मगुइरे के ट्रेडमार्क हेडर से यूनाइटेड ने 3–2 से जीत दर्ज की।

भारतीय टीम को चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने में शायद ही कोई परेशानी आये : लालचंद राजपूत

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच लालचंद राजपूत ने कहा है कि रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतेगी। इस पूर्व कोच के अनुसार भारतीय टीम विरोधियों को जरा भी राहत नहीं देते हुए निर्ममता से प्रहार करती है जिससे कारण ही वह जीत की प्रबल दावेदार बनकर उभरी है। साल 2007 में हुए पहले टी20 विश्व कप में कोच रहे इस पूर्व क्रिकेटर को लगता है कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में कोई परेशानी नहीं आयेगी। राजपूत ने कहा कि भारतीय टीम बेहद आक्रामक नजर आ रही है। वह हर मैच में अपना दबाव बना कर आसान जीत हासिल करना चाहती है। वह विरोधी टीम को मैच में वापसी करने का कोई अवसर नहीं दे रही। यही सही रवैया है। भारतीय टीम जिस तरह से खेल रही है उससे मुझे यही लगता है कि उसे आसानी से जीत मिलेगी। उन्होंने कहा कि विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ कठिन हालात में शतक लगाकर शानदार तरीके से फॉर्म में वापसी की है। ऐसे में अब टीम कप्तान रोहित शर्मा से भी इसी प्रकार का धमाकेदार प्रदर्शन चाहती है। उन्होंने कहा कि विराट शतक लगा चुके हैं और अब भारत का हर क्षेत्र में मजबूत है। अब केवल रोहित से बड़े शतक की दरकार है। राजपूत ने कहा कि भारतीय टीम के इरादे साफ है। वह अपनी विरोधी टीम को किसी प्रकार का अवसर नहीं देना चाहती है। टीम बड़े मुकाबलों में इसी प्रकार का प्रदर्शन करती रही है।

बेंच स्ट्रेंथ की कमी के कारण के कारण नीचे जा रहा पाक क्रिकेट : गावस्कर

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि पाकिस्तान की टीम इस समय भारत की दूसरे दर्जे की टीम भी हरा नहीं सकती है।

भारत की दूसरे दर्जे की टीम भी पाकिस्तान पर भारी पड़ेगी : गावस्कर

गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि भारत की बी टीम भी पाक टीम को संघर्ष पर मजबूर कर सकती है। इस पूर्व कप्तान ने कहा कि पाक टीम का फार्म अभी काफी खराब चल रहा है। पाक टीम अपनी ही धरती पर हो रहे चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पायी है। उसे अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में उसे न्यूजीलैंड जबकि दूसरे मैच में भारतीय टीम ने हराया। साल 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद भी पाक क्रिकेट लगातार नीचे आता रहा है। टीम पिछले दो एकदिवसीय विश्व कप में पांचवें स्थान पर रही। गावस्कर ने कहा, मुझे लगता है कि बेंच स्ट्रेंथ की कमी के कारण हो रहा है। पाक में हमेशा से ही प्राकृतिक प्रतिभा रही है। प्राकृतिक इस तरह कि भले ही वे तकनीकी रूप से सही नहीं थे पर उनके पास बल्ले और गेंद की सहज समझ थी। गावस्कर ने कहा, इंजमाम–उल–हक को देखें। अगर आप उनके रुख को देखें, तो आप किसी युवा बल्लेबाज को ऐसा करने की सलाह नहीं देंगे पर उनका स्वभाव बहुत अच्छा था। इस तरह के स्वभाव के साथ उन्होंने किसी भी तकनीकी कमी को पूरा किया। गावस्कर ने यह भी कहा कि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) और घरेलू व्हाइट–बॉल टूर्नामेंट के बावजूद गुणवत्ता वाले खिलाड़ी तैयार करने के लिए असफल रहा है। उन्होंने कहा, भारत में व्हाइट–बॉल क्रिकेट में इतने सारे युवा सितारे आईपीएल की वजह से निकले हैं। वहां से खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी और अंततः भारत के लिए खेलने गए हैं। यह कुछ ऐसा है जिसका पाकिस्तान क्रिकेट को आंकलन करना चाहिए।

सऊदी अरब और ऑस्ट्रेलिया एएफसी अंडर-20 एशियाई कप फाइनल में

सऊदी अरब ने बुधवार को पेनल्टी शूटआउट में दक्षिण कोरिया को 3–2 से हराकर एएफसी अंडर–20 एशियाई कप के फाइनल में जगह बना ली। अब खिताबी मुकाबले में उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में जापान को 2–0 से मात दी। सऊदी अरब और दक्षिण कोरिया के बीच मुकाबला निर्धारित 120 मिनट तक गोलरहित बराबरी पर रहा। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट में सऊदी अरब के गोलकीपर हामेद यूसुफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो पेनल्टी बचाई और अपनी टीम की जीत के हीरो बने। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने जापान को 2–0 से हराया।

वाराणसी : मार्शल आर्ट के तीन युवा खिलाड़ियों को मिला ब्लैक बेल्ट

वाराणसी

सारनाथ दानियालपुर स्थित विश्वकर्मा मार्शल आर्ट में प्रशिक्षण लेने वाले तीन युवा खिलाड़ियों को ब्लैक बेल्ट मिला है। तीनों खिलाड़ियों साहिल मौर्या, सिद्धार्थ मौर्या व आशीष कुमार ने निरंतर अभ्यास और गुरुओं से प्रशिक्षण लेने के बाद ब्लैक बेल्ट की परीक्षा में भाग लिया। लगभग 5 घंटे तक चली परीक्षा में तीनों ने परीक्षा उतीर्ण कर ब्लैक बेल्ट खिताब अपने नाम कर लिया।

गुरुवार को विश्वकर्मा मार्शल आर्ट परिसर में तीनों खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों को संस्था के अध्यक्ष रमाशंकर विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष गोविंद विश्वकर्मा ने बधाई देकर सम्मानित किया। तीनों खिलाड़ियों को वर्ल्ड इंटरनेशनल कॉम्बैट मार्शल आर्ट्स के संस्थापक वर्ल्ड ग्रैंड मास्टर जगदीश सिंह खत्री ने खिताब दिया। ब्लैक बेल्ट पाने वाले युवाओं को धीरज यादव ने प्रोत्साहन स्वरूप नॉन चाकू और माउथ गार्ड प्रदान किया। इस दौरान एकेडमी के सभी सीनियर और जूनियर खिलाड़ी, धर्मेंद्र यादव, पत्रकार विवेक विश्वकर्मा आदि भी मौजूद रहे।

डब्ल्यूपीएल 2025 : मुंबई इंडियंस की धमाकेदार जीत, यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट से हराया

बेंगलुरु

वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 में मुंबई इंडियंस ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए लगातार तीसरी जीत दर्ज की। बुधवार को खेले गए मुकाबले में हेली मैथ्यूज (59 रन, 1 विकेट) और नैटली सिवर-ब्रंट (75 नाबाद, 3 विकेट) के ऑलराउंड खेल की बदौलत मुंबई ने यूपी वॉरियर्स को 8 विकेट से मात दी।

यूपी वॉरियर्स ने ग्रेस हैरिस (45) और दिनेश वृंदा (33) की शानदार साझेदारी के दम पर 142 रन का स्कोर खड़ा किया था। जवाब में मुंबई इंडियंस ने 18 गेंद शेष रहते केवल 2 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी यूपी वॉरियर्स की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। पहले ही ओवर में किरण नवगिरे (1) पवेलियन लौट गईं। हालांकि, ग्रेस हैरिस और दिनेश वृंदा ने 79 रनों की साझेदारी कर टीम को मजबूती दी।

एमेलिया कर ने 10वें ओवर में हैरिस (45) को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। अगले ही ओवर में संस्कृति गुप्ता ने वृंदा (33) और स्टार बल्लेबाज तालिया मैक्ग्रा (शून्य) को आउट कर मुंबई को बड़ी सफलता दिलाई।

इसके बाद कप्तान दीप्ति शर्मा (4) को हेली मैथ्यूज ने आउट किया। यूपी की रनगति पर ब्रेक लग चुका था। श्वेता सहरावत (13) और शिनेल हेनरी (7) भी जल्द ही सिवर–ब्रंट का शिकार बनीं। अंत में उमा छेत्री (13 नाबाद) ने कुछ रन जोड़ने की कोशिश की, लेकिन यूपी 9 विकेट पर 142 रन तक ही पहुंच सकी।

मुंबई के लिए नैटली सिवर–ब्रंट सबसे सफल गेंदबाज रहीं, जिन्होंने 3 विकेट झटके। संस्कृति गुप्ता और शबनिम इस्माइल ने 2–2 विकेट लिए, जबकि हेली मैथ्यूज और एमेलिया कर को 1–1 सफलता मिली।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहतरीन रही। हेली मैथ्यूज (59) और नैटली सिवर–ब्रंट (75 नाबाद) ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए यूपी की गेंदबाजी को ध्वस्त कर दिया।

मैथ्यूज ने सोफी एकल्सटन की गेंद पर आउट होने से पहले 41 गेंदों में 59 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 1 छक्का शामिल था। यस्तिका भाटिया (12) भी बड़ी पारी नहीं खेल पाईं। लेकिन इसके बाद नैटली सिवर–ब्रंट ने अकेले दम पर टीम को जीत की ओर पहुंचा दिया।

सिवर–ब्रंट ने 44 गेंदों पर नाबाद 75 रन बनाए, जिसमें 10 चौके और 1 छक्का शामिल था। उन्होंने आखिरी ओवरों में तेजी से रन बनाकर मुंबई को 17 ओवर में ही जीत दिला दी।

इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है और लगातार तीसरी जीत दर्ज की। टीम का सेमीफाइनल में स्थान लगभग पक्का माना जा रहा है। वहीं, यूपी वॉरियर्स की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को झटका लगा है।

मुंबई की इस जीत में सिवर–ब्रंट की ऑलराउंड परफॉर्मेंस सबसे खास रही, जिन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार खेल दिखाया। अब मुंबई इंडियंस का अगला मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा, जहां वे अपनी विजयी लय को बरकरार रखना चाहेंगी।

ऐसे पचता है आपके पेट का भोजन

अपने पेट को अंग्रेजी शब्द 'जे' के आकार के एक प्लास्टिक बैग की तरह समझों, जो आपके उदर के बाईं ओर होता है। इसकी रक्षा करती हैं पांच निचली पसलियां। इसका ऊपरी हिस्सा एसोफेगस से जुड़ा होता है और निचला हिस्सा छोटी आंत से जुड़ता है। पेट की लाइनिंग में असंख्य ग्लैंड्स दिखते हैं, जो हाइड्रोक्लोरिक एसिड और पेप्सिन नामक एंजाइम का उत्पाद करते हैं। आपके भोजन करने से पहले मस्तिष्क खाली पेट को संदेश भेजता है, ताकि वह गैस्ट्रिक जूसेज को तैयार करना शुरू करें। हालांकि पेट का आकार आपकी मुट्ठी जितना होता है, लेकिन भारी खाना खाने पर वह तीन-चार गुना बढ़ सकता है। यदि आप अक्सर भारी खुराक लेते हैं तो इससे पेट की मांसपेशियों की वर्जिश होती रहती है। यदि आप किसी खास दिन ही अधिक खाते हैं तो इससे आपके पेट को तकलीफ हो सकती है। खुद गीला होने के कारण भोजन जब अंदर जाता है तो वह गैस्ट्रिक जूसेज से जा मिलता है। पेट की दीवारों पर मांसपेशियों की तीन परतें होती हैं, जो लंबाई, चौड़ाई और तिरछी बंधी होती हैं। भोजन को यह चाइम नामक तरल की मदद से ऊपर-नीचे करती हैं और फिर उसे छोटी आंत में भेज देती हैं। अल्सर, चोट या कैंसर आदि के कुछ मामलों में सर्जन्स अक्सर गैस्ट्रक्टमी ऑपरेशन करते हैं, जिसमें पूरा पेट या उसका कुछ हिस्सा निकाल दिया जाता है। जब कुछ हिस्सा निकाला जाता है तो शेष हिस्सा अपना काम करता रहता है। पूरा पेट निकाल दिए जाने पर

भोजन पचने की प्रक्रियाएं

एसोफेगस को छोटी आंत से नत्थी कर दिया जाता है और पाचन प्रक्रिया वहां शुरू हो जाती है। ऐसी सर्जरी के सफल मामलों में शरीर इस प्रक्रिया को अपना लेता है, परंतु फिर भी पेट में बनने वाले एसिड्स के समाप्त हो जाने पर हाई-प्रोटीन खुराक से परहेज करना पड़ता है। एक तंदुरुस्त पेट एसिडिक होता है, जो भोजन के टुकड़े कर उसे पचाता है। खुद को बचाए रखने के लिए पेट चुपचाप म्योकस नामक एक पदार्थ भी बनाता है। यदि एसिड और म्योकस के संतुलन में गड़बड़ी होती है तो पेट को तकलीफ होती है और उसके लिए हमें एंटासिड्स लेने पड़ते हैं। इनमें एल्युमिनियम, मैग्नीशियम या दोनों मिले होते हैं, जो एसिड्स के साथ क्रिया करके अधिक तटस्थ तरह के यौगिक निर्मित करते हैं।

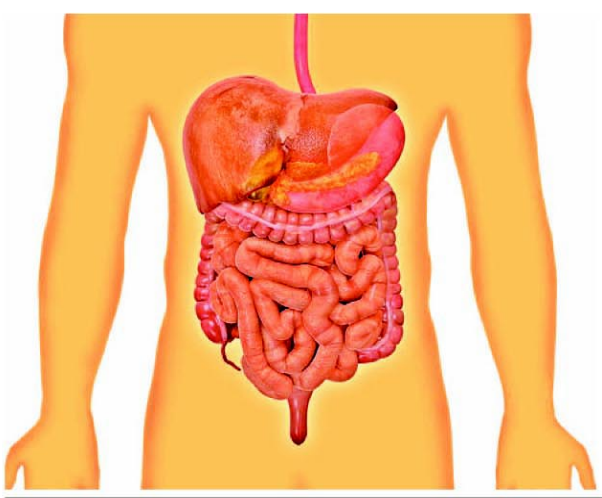

मधुमेह को नियंत्रित करता है अमरूद

अमरूद में विटामिन ए और विटामिन सी के अलावा फाइबर भी होता है। अमरूद पत्ती से बनी चाय में एल्फा-ग्लूकोसाइडिस एंजाइम गतिविधि को कम कर मधुमेह रोगियों में प्रभावी रूप से रक्त शर्करा को कम करती है। यह सुक्रोज और माल्टोज को सोखने से शरीर को रोकती है जिससे शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है। अमरूद की पत्ती से बनी चाय 12 सप्ताह पीने से रक्त में शर्करा के स्तर को कम कर सकते हैं।

बकरी का दूध होता है हेल्दी

कुछ लोगों को गाय के दूध से एलर्जी होती है, इसलिए वे बकरी के दूध को तरजीह देते हैं। ग्रेनेडा विश्वविद्यालय के एक शोध के मुताबिक बकरी का दूध कॉलेस्ट्रॉल का स्तर घटाने में मदद करता है। ऐसे लोग जो ओस्टियोपोरोसिस या लंबे समय से आयरन की कमी व उच्च कॉलेस्ट्रॉल से जूझ रहे हैं और जिन्हें गाय के दूध से एलर्जी है, वे बकरी के दूध को विकल्प बना सकते हैं।

सही तरीके से पकाएं भोजन, मिलेगा पोषण

भोजन को सही तरीके से पकाना जरूरी है, सब्जियां हों या साबुत अनाज या फिर नॉनवेज। इन्हें सही तरीके से पकाए बिना शरीर को पोषक तत्व नहीं मिल सकते। यहां हम बता रहे हैं भोजन को सही तरीके से कैसे पकाएं।

पालक

पालक को काटने से पहले धो लें। ज्यादा देर पकाने से पालक का 64 प्रतिशत विटामिन सी नष्ट हो जाता है, इसलिए इसे पकाते समय इसमें अलग से पानी न डालें। ढ़क कर आंच पर 2-3 मिनट से ज्यादा न पकाएं। इसमें आयरन काफी मात्रा में होता है।

नॉन वेज

मांस, चिकन और मछली को कच्चा खाना सेहत के लिए काफी हानिकारक होता है, इसलिए इन्हें कच्चा खाया भी नहीं जाता। इन्हें पकाने के लिए बहुत कम पानी में भाप में गला लें। फिर इन्हें कम मसालों और तेल में पकाएं। अगर ज्यादा पानी में बनाएं तो उस पानी को सूप के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

साबुत अनाज

साबुत अनाज को रातभर कम पानी में भिगोएं। सुबह इसे हल्की आंच पर भाप में गला कर कम तेल-मसालों में पकाएं। इसमें मौजूद फायटिक एसिड हमारे लिए हानिकारक होता है।

पकाने से इसकी मात्रा 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। अंकुरण से भी अनाजों में इसका स्तर कम हो जाता है।

अंडे

अंडे को कभी भी कच्चा न खाएं। उबाल कर खाने से उसमें आयरन और बायोटिन की उपलब्धता बढ़ जाती है। इसके अलावा बैक्टीरियम सालमोनेला के संक्रमण का खतरा भी कम हो जाता है। इसे तल कर या दूध में पका कर भी खाया जा सकता है।

लहसुन और प्याज

प्याज और लहसुन में मौजूद लाभकारी सलेऑक्साइड तभी एक्टिवेट होता है, जब वह हवा के संपर्क में आता है। लहसुन और प्याज को पकाने से दस मिनट पहले काट कर रख लें। यह बीमारियों से बचाते हैं। कम ताप पर 30 मिनट तक प्याज और लहसुन को पकाएं।

ब्रॉकली और गाजर

ब्रॉकली को भाप में पकाएं, फिर स्टिर फ्राई करें। उसका हरा रंग बरकरार रहेगा। गाजर और ब्रॉकली को उबाल कर खाने से उनसे अधिक मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं। पकी हुई गाजर में कच्ची गाजर से ज्यादा विटामिन ए, ल्युटिन और विटामिन होते हैं। पकी हुई ब्रॉकली में ज्यादा लाइकोपिन, विटामिन ए, फोलेट होता है।

टमाटर

विटामिन सी से भरपूर टमाटर को पका कर खाने से उसे पचाने में आसानी रहती है। प्रोसेस्ड टमाटर में लाइकोपिन की मात्रा ताजे टमाटरों से अधिक होती है। इसे कच्चा खाने की बजाय पका कर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

चावल

चावल को उबालने के बाद उसका पानी न फेंकें। इसमें करीब 25 प्रतिशत विटामिन बी नष्ट हो जाता है। चावल को कम पानी में भाप में पकाएं। पके हुए चावल बहुत जल्द बैसिलस सेरेयस से संक्रमित हो जाते हैं और दोबारा गर्म करने पर भी यह नष्ट नहीं होते, इसलिए बासी चावल कतई न खाएं।

करेला

कड़वा करेला औषधीय गुणों और पोषक तत्वों से भरपूर होता है। भाप में कम मसालों के साथ पका कर खाना इसे पकाने का बेहतरीन तरीका है। कुछ लोग इसे उबाल कर सब्जी बनाते हैं। आप भी ऐसा करते हैं तो उबले पानी को न फेंके। इसे हल्के से गुनगुने रूप में थोड़ा-सा नमक मिलाकर हर्बल टी के रूप में पी लें। रक्त संबंधी विकार दूर होंगे।

तेल

तेल को ज्यादा देर गर्म न करें, 1 मिनट तक गर्म करने से उसके प्राकृतिक गुण नष्ट होने लगते हैं। इसमें ट्रांस फैटी एसिड की मात्रा बढ़ जाती है।

पके भोजन के फायदे

- कच्चे भोजन में बैक्टीरिया होते हैं, जो पकाने से नष्ट हो जाते हैं।
- पकाने से भोजन नरम भी हो जाता है। इससे भोजन को चबाना, निगलना और पचाना आसान हो जाता है।
- पकाने से स्वाद बेहतर हो जाता है।
- पकाना खाने को आकर्षक बनाता है।
- इससे भोजन लंबे समय तक सुरक्षित रहता है।

क्यों जरूरी है पकाना

यह भी हमारी एक गलत धारणा से ज्यादा कुछ नहीं है कि कच्चे फल और सब्जियां सबसे बेहतर होती हैं। वैसे यह सही है कि खाने को हम कितना भी सावधानीपूर्वक पकाएं, उसके 10-15 प्रतिशत पोषक तत्व नष्ट हो ही जाते हैं, लेकिन पकाने के फायदे भी हैं। इससे पाचकता सुधरती है और पोषक तत्व उस रूप में परिवर्तित हो जाते हैं, जो शरीर में आसानी से अवशोषित हो सके। कुछ खाद्य पदार्थों को पकाना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम उन्हें कच्चा नहीं खा सकते।

ताजगी है जरूरी

- ताजा भोजन करें। भोजन को बार-बार गर्म न करें।
- ताजे और मौसमी फल तथा सब्जियों का ही उपयोग करें।
- सब्जियों को काट कर कभी न धोएं। इससे विटामिन बी और सी नष्ट हो जाते हैं।
- फ्रिज में खाद्य पदार्थों को 4 डिग्री सेंटिग्रेट पर रखें। फ्रोजन फूड को 18 डिग्री पर और डिब्बा बंद को सूखे और ठंडे स्थान पर रखें।

रखें ख्याल

- पकाने से पहले सब्जियों को पानी में न भिगोएं। पोषक तत्व नष्ट हो जाएंगे।
- उन्हें कम पानी में पकाएं। पानी की मात्र जितनी कम होगी, उतने ही कम पोषक तत्व नष्ट होंगे।
- भोजन को ज्यादा देर न पकाएं। जितनी देर पकाएंगे, उसके पोषक तत्व उतने ही ज्यादा नष्ट हो जाएंगे।

बच्चे को अकेला छोड़कर जाते समय जरूरी बातें

वर्तमान एकल परिवार की संख्या बढ़ रही है और ज्यादातर घरों में पति-पत्नी दोनों काम करते हैं। ऐसे में घर में तीसरा मेहमान यानी बच्चा होने के बाद प्रोफेशनल लाइफ प्रभावित होती है। लेकिन धीरे-धीरे आपका बच्चा बड़ा होता है और आपको लगता है अकेले बच्चे को घर पर छोड़कर आप अपने काम से बाहर जा सकते हैं। बच्चे को घर पर अकेले छोड़कर जाना किसी मुसीबत को बुलाने से कम नहीं है, लेकिन अगर आपको लगता है कि आपका बच्चा समझदार हो गया है और वह अकेले घर पर रह सकता है तो कुछ जरूरी बातें बताकर अकेले उसे घर पर रख सकते हैं और अपने काम के लिए बाहर जा सकते हैं। तो बच्चे को घर पर अकेला छोड़ने से पहले उसे कुछ जरूरी बातें बताकर जाएं।

इमरजेंसी नंबर की जानकारी

बच्चे को घर पर अकेला छोड़ते समय सभी जरूरी नंबरों की एक लिस्ट रख कर जाइए। इस लिस्ट में आपका नंबंर होने के अलावा सारे इमरजेंसी नंबर होने चाहिए जिससे जरुरत के समय आपके बच्चे आपको फोन मिलाकर स्थिति की जानकारी दे सकें। बच्चों को इमरजेंसी नंबरों के बारे में अच्छे से जानकारी दीजिए और उन्हें उसकी उपयोगिता की जानकारी दीजिए।

कमरे में लॉक न करें

अगर आप बाहर जा रहे हैं तो बच्चे को कमरे में लॉक करके बिलकुल भी न जाए अगर आप बाहर हैं और बच्चे को घर में लॉक करके जा रहे हैं और आपके पीछे कोई दुर्घटना हो गई तो बच्चे के लिए मुसीबत हो सकता है। अगर घर में आग लग गई तो वह जल सकता है, इसलिए बच्चे को कभी लॉक करके न जाएं।

दरवाजा बंद रखना सिखाइए

जब मां-बाप घर में नहीं होते, तो चोरी की घटना होना आम बात होती है। घर पर बच्चों को अकेला छोड़ने से पहले उन्हें सिखाएं कि खुद को अंदर कैसे बंद रखा जाता है। दरवाजा कैस लॉक करना है और उसे कैसे खोलना है। ये सारी बातों को उनको सिखाएं।

टीवी टाइम

बच्चे घर में होते हैं तो अपने मन की मर्जी चलाना चाहते हैं, उनकी नजर टीवी पर पहले पड़ती है। वह टीवी पर हर वह चीज देखना चाहते हैं, जो आप उन्हें देखने से मना करते हैं। इसलिए बच्चे को बता कर जाएं कि उसे टीवी कब देखना चाहिए, और ऐसे चैनल लॉक करके जाइए जिससे बच्चे को गंदी शिक्षा और जानकारी मिलती हो। घर से पहले पूरी तरह सुनिश्चित कीजिए कि आपका बच्चा घर में पूरी तरह सुरक्षित है या नहीं। उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद ही उसे घर में अकेला छोड़ें।

इमरजेंसी में दबाएं 9 का बटन...

देश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहे अपराधों को देखते हुए सरकार मार्च से सभी मोबाइल में पैनिक बटन की शुरुआत करेगी, जिसके तहत मोबाइल में देर तक 9 नंबर वाला बटन दबाने से नजदीकी पुलिस और रिश्तेदारों को एलर्ट मैसेज जाएगा जिसमें यूजर की लोकेशन डिटेल होगी।

इस प्रोजेक्ट के लिए विमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट मिनिस्ट्री और टेलिकॉम डिपार्टमेंट ने पिछले दिनों ही मोबाइल व टेलीकॉम कंपनियों के साथ एक मीटिंग की है। इस प्रोग्राम पर काम कर रहे एक अधिकारी के मुताबिक कंपनियां इसके लिए राजी हैं और मोबाइल फोन में यह फीचर मार्च से मिलना शुरू हो जाएगा।

बिना इंटरनेट होगा काम

मार्च में इस सर्विस की शुरुआत होगी जिसके तहत मोबाइल के 9 नंबर के बटन को कुछ देर तक लगातार दबाए रखने पर 9 लोगों को अपने लोकेशन की डिटेल भेजी जा सकती है। यही नहीं, यह तय करना भी यूजर के हाथ में होगा कि उसे किन 9 लोगों को इमरजेंसी के दौरान एलर्ट मैसेज और लोकेशन डिटेल भेजनी है ताकि वे उसकी मदद को आ सकें। इनमें से एक मैसेज नजदीकी पुलिस स्टेशन को जाएगा।बिना इंटरनेट और जीपीएस वाला डेडिकेटेड पैनिक बटन कारगर साबित होगा।

करना होगा काम

इस प्रोग्राम के तहत फीचर फोन में डेडिकेटेड पैनिक बटन होने की भी बात चल रही है। दरअसल, फीचर फोन में इंटरनेट नहीं होने से इनमें जीपीएस काम ही नहीं करता है। जाहिर है, ऐसे मोबाइल से खतरे की स्थिति में अपनी लोकेशन भेज पाना मुश्किल है। हां, अगर मोबाइल और टेलिकॉम कंपनियां मिलकर खास पैनिक बटन पर काम करें तो यह इमरजेंसी में लोगों के काफी काम आ सकता है। बशर्ते इसके लिए इंटरनेट और स्मार्टफोन की जरूरत न हो।

महिला सुरक्षा है मकसद

इस पैनिक बटन का मकसद देश में महिला सुरक्षा लाना है। कई देशों में पैनिक सिस्टम ने महिलाआ सुरक्षा बहाल करने में काफी मदद की है। भारत में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हालात ठीक नहीं हैं। इसके लिए सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है और मोबाइल में ऐसे फीचर हालात सुधारने में मदद करेंगे। गौरतलब है कि इससे पहले भी एप बेस्ड पैनिक की शुरुआत कुछ राज्यों में हुई थी पर जीपीएस और इंटरनेट ना होने की वजह से ये फेल हो चुकी हैं।

रेसिपी

चिली पटॅटोस्

सामग्री

3 कप आधे उबले हुए पटेटो फींगर्स, तेल , तलने के लिए, 2 टी-स्पून कोर्नफ्लॉर, 1 टेबल-स्पून तेल, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1/4 कप बारीक कटी हुई हरी प्याज का सफेद भाग और पत्ते,1 टेबल-स्पून टमॅटो कैचप,1 टेबल-स्पून चिली सॉस,1 टी-स्पून सोया सॉस, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक गहरी नॉन-स्टिक कढ़ाई में तलने के लिए तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े पटेटो फींगर्स डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल लें। एक तरफ रख दें। कोर्नफ्लार और द कप पानी को एक बाउल में अच्छी तरह मिला लें और एक तरफ रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पॅन या वॉक में तेल गरम करें, लहसुन, अदरक और हरी मिर्च डालकर, तेज आंच पर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। हरी प्याज़ का सफेद भाग और पत्ते, टोमेटो कैचप, चिली सॉस, सोया सॉस, कोर्नफ्लॉर-पानी का मिश्रण और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और कुछ सेकन्ड तक तेज आंच पर भुन लें। तले हुए पटेटो फींगर्स डालकर हल्के हाथों मिला लें और तेज आंच पर 1 मिनट तक पका लें। हरी प्याज का सफेद भाग और पत्तों से सजाकर तुरंत परोसें।

पास्ता ट्विस्टस्

सामग्री

1 टी-स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार, 1 कप ग्लूटन मुक्त पास्ता (बाजार में उपलब्ध), 1 1/2 टी-स्पून सूखे मिले-जुले हर्बस्, 1/2 टी-स्पून ,ताजी पिसी काली मिर्च, तेल , तलने के लिए

विधि

एक चौड़े नॉन-स्टिक पन में बर्तन भर पानी उबालें, तेल, नमक और पास्ता डालकर, मध्यम आंच पर 10-12 मिनट या पास्ता के 50 प्रतिशत पक जाने तक उबाल लें, बीच-बीच में हिलाते रहें जिससे पास्ता नीचे चिपके नहीं। छानकर 10 मिनट के लिए एक तरफ रख दें। उसी समय, मिले-जुले हर्ब, काली मिर्च और थोड़े नमक को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें। एक तरफ रख दें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और पास्ता डालकर, उनके सभी तरफ से सुनहरा और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकाल लें, हर्ब-काली मिर्च का मसाला छिड़के और मिला लें। पुरी तरह ठंडा कर हवा बन्द डब्बे में रखकर संग्रह करें।

कलावा व मौली बांधना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

अगर गौर किया जाए तो लगभग सभी धर्मों में पूजा-पाठ आदि से संबंधित नियम होते हैं, और इस सभी नियम और संस्कारों के स्वास्थ लाभ होते हैं और ये वैज्ञानिक तौर पर भी देखा गया है। हिंदू धर्म में भी पूजा-पाठ और शुभ अवसरों पर कलाई पर मौली यानी कलावा बांधा जाता है। क्या कभी आपने सोचा है कि इसके पीछे क्या कारण हो सकता है? नहीं! तो चलिए जानते हैं कि कलाई पर मौली यानी कलावा बांधने के पीछे क्या स्वास्थ लाभ हैं और क्या इसे वैज्ञानिक कारणों से भी बांधा जाता है।

कहां से हुई शुरुआत

शास्त्रों के मुताबिक मौली या कलावा बांधने की परंपरा की शुरुआत देवी लक्ष्मी और राजा बलि के द्वारा की गई थी। कलावे को रक्षा सूत्र भी माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि कलाई पर इसके बाधे पाने से जीवन पर आने वाले संकट से रक्षा होती है। मान्यता है कि कलावा बांधने से तीनों देवों - ब्रह्मा, विष्णु और महेश की कृपा बनती है। साथ ही तीनों देवियों सरस्वती, लक्ष्मी और पार्वती की भी कृपा मिलती है। वहीं वेदों में लिखा है कि वृत्रासुर से युद्ध के लिए जाते समय इंद्राणी शची ने भी इंद्र की दाहिनी भुजा पर रक्षासूत्र (जिसे मौली या कलावा भी कहते हैं) बांधा था। जिससे वृत्रासुर को मारकर इंद्र विजयी बने और तभी से रक्षासूत्र या मौली बांधने की प्रथा शुरू हुई। कहा जाता है कि मौली में उक्त देवी या देवता अदृश्य रूप से विराजमान रहते हैं, और इसीलिए पूजा करके यह कलावा या रक्षा सूत्र बांधा जाता है। मौली का धागा कच्चे सूत से बनाया जाता है और यह कई रंगों जैसे, लाल, पीला, सफेद या नारंगी आदि का होता है। मान्यता है कि इसे हाथों पर बांधने से बरकत भी होती है।

विज्ञान के अनुसार महत्व

शरीर विज्ञान के हिसाब से शरीर के कई प्रमुख अंगों तक पहुंचने वाली नसें कलाई से होकर जाती हैं। जब कलाई पर मौली या कलावा बांधा जाता है तो इससे इन नसों की क्रिया नियंत्रित होती हैं। इससे त्रिदोष (वात, पित्त और कफ) को काबू किया जाता है। ऐसा भी माना जाता है कि कलावा बांधने से रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह और लकवा जैसी स्वास्थ्य समस्याओं से काफी हद तक बचाव होता है। पुरुषों और अविवाहित लड़कियों के दाएं हाथ में और विवाहित महिलाओं के बाएं हाथ में मौली या कलावा बांधा जाता है। मान्यता है कि वाहन, बही-खाता, मेन गेट, चाबी के छल्ले और तिजोरी आदि पर भी पवित्र मौली या कलावा बांधने से लाभ होता है। मौली से बनी सजावट की वस्तुएं घर में रखने से बरकत होती है और खुशियां आती हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**